RAJBIL26868/2016/1284525
वर्ष 4 अंक 10 मूल्य 20

सामाजिक अभिरूचि का पर्याय

जयवर्द्धन

राजसमंद के प्रबुद्ध पाठक वर्ग की लोकप्रिय मासिक पत्रिका

हिन्दी मासिक पत्रिका नवम्बर 2021

जयवर्द्धन NEWS
राजसमंद की ताजा खबरों के लिए देखिए
YouTube Channel
Jaivardhan News

पेज संख्या : 36 राजसमंद

आत्मदीपो भव:

दीपावली के पावन पर्व की देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

प्रकाशन तिथि : माह की 1 से 15 तारीख

Yashika GRANITES

श्री राजेन्द्र यादव
डायरेक्टर

श्री कैलाश मेहता
डायरेक्टर

याशिका ग्रेनाईट प्रा.लि., कोटड़ा-देवगढ़, जिला-राजसमंद

जयवर्द्धन NEWS

राजसमंद जिले की ताजा खबरों के लिए देखिए

YouTube Channel Jaivardhan News

दीपावली के पावन पर्व की हार्दिक बधाई एवं मंगल शुभकामनाएं

टाक सोनोग्राफी एण्ड लेब

विश्वास.. बेहतर जांच का

एक ही छत के नीचे सभी प्रकार की जांच की सुविधा

● सोनोग्राफी ● 3डी, 4डी, कलर डॉप्लर ● हिमेटोलॉजी ● क्लिनिकल पैथोलोजी ● स्पाइरोमेट्री ● हार्मोन एनालाईसिस ● बायोप्सी, कल्चर ● ई.सी.जी. TMT ● डिजिटल एक्सरे ● 2 डी ईको

नगर परिषद कॉम्पलेक्स, आर.के. हॉस्पीटल के सामने, कांकरोली, जिला-राजसमंद

Mob. 8104802345, 9649495678, Email : taksonolab@gmail.com

टाक लेब

गांधी सेवा सदन स्कूल के सामने,
बैंक ऑफ इण्डिया के पास, राजसमंद 313324

आस्था लेब

4 नगर परिषद कॉम्पलेक्स, आर.के. हॉस्पीटल के
सामने राजसमंद मो. 935213712

दीपावली एवं नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

CARE LIFE

राजसमंद का सबसे बड़ा व अत्याधुनिक सुविधायुक्त फिजियोथेरेपी क्लिनिक

केयर लाईफ फिजियोथेरेपी क्लिनिक, नाथद्वारा

राजसमंद का प्रथम व एकमात्र लेजर
थेरेपी फिजियोथेरेपी क्लिनिक

कृपया पहले समय लेकर पधारें।

मो. 98295-61644, 8829966222

डॉ. राजेश जे बागोरा

[MPT, Ortho & SPORTS
MPT, MIAP, SCMT
(SPINE), MTFI, CMS & ED

परामर्श

- कन्धे का दर्द
- गर्दन दर्द
- कमर दर्द
- साइटीका
- स्लीप डिस्क
- जोड़ों का दर्द
- लकवा
- सुन्नपन व झनझनाहट
- श्वास की तकलीफ
- लिगामेंट इन्जुरी
- मांसपेशियों का खिंचाव
- डाईट प्लान
- योगा
- वजन घटाना इत्यादि

1, विनायक विहार, पुलिस थाने के पीछे, नाथद्वारा www.carelifephysio.com

जयवर्द्धन

सम्पादक एवं प्रकाशक
ललिता राठौड़

निदेशक व उप सम्पादक
विजय शर्मा,
लक्ष्मणसिंह राठौड़
सह सम्पादक
हितेन्द्रसिंह चौहान

विज्ञापन प्रबंधक
जितेन्द्र शर्मा
वितरण विभाग
नारायण पालीवाल, सुधीर दवे

कार्यालय पता
C/O शक्ति स्पोर्ट्स, शास्त्री मार्केट
कांकरोली, जिला राजसमंद
मो. 94142-39648, 96729-80901

सम्पादक, प्रकाशन एवं स्वामी ललिता राठौड़ द्वारा राजसमंद से प्रकाशित एवं रमेशचंद्र आचार्य द्वारा आचार्य प्रिंटर्स, हस्तिनापुर कांकरोली, जिला राजसमंद (राजस्थान) से मुद्रित

नोट : पुस्तक में प्रकाशित सामग्री में यथासंभव सावधानी बरती गई है। फिर भी त्रुटियों के ध्यानाकर्षण के लिए धन्यवाद्। पत्रिका में प्रकाशित आलेख में लेखकों के अपने निजी विचार है। किसी भी विवाद के लिए न्याय क्षेत्र राजसमंद होगा।

सम्पादकीय

जीवन में मिठास घोलता दीप पर्व

दीपोत्सव का यह त्यौहार हर एक के जीवन में उल्लास और उम्मीद लेकर आता है और आए भी क्यों ना हमारे आदर्श और सृष्टि के सर्वश्रेष्ठ नर भगवान श्रीराम ने इसी दिन अपने लंबे तपोनिष्ठ जीवन का पुन: घर आगमन कर समापन किया था। एक ऐसे प्रण का सुखद अंत इसी दिन हुआ था जिसने संसार के समस्त मानवों के लिए उच्चतम आदर्श की स्थापना की।

यही वह दिन है, जब सिख गुरु हरगोविंद सिंह जी मुगलों की जेल से आजाद हुए और पौराणिक कथाओं के अनुसार इसी दिन समुद्र मंथन से चौदह रत्नों की प्राप्ति हुई थी। उन्हीं रत्नों में महालक्ष्मी जी भी प्रकट हुई थी।

यह त्योहार एक पैकेज की तरह है किसान, व्यापारी, ग्रहणियां नौकरी पेशा सभी के लिए इस त्योहार के पास कुछ ना कुछ है। अमावस के घन तिमिर को अपने लघु संकल्प से लौ दिखाता दीपकए गहरी निराशा में डूबे व्यक्ति को भी हौसले की उड़ान देने का उपक्रम करता है। यहां साफ सफाई, स्वच्छता है, बही-खातों का हिसाब है, रूप-सौंदर्य का निखार है, गो उत्सव: गोवर्धन पूजा है, भाई बहन का निश्छल प्रेम है और इन सभी उल्लासों को प्रदर्शित करने के लिए है ढ़ेर सारे पटाखे।

तो आइए हम सभी इस महान त्योहार का आनंद सभी दिशाओं में भी बिखेरें। एक-दूसरे का मुंह मीठा करवा कर जीवन में मिठास घोलें। खूब पटाखे छोड़े और रही बात प्रदूषण की तो कुछ दिन गाड़ियां कम घुमा कर उसे भी संतुलित कर लेंगे, पर आनंद में किसी प्रकार का समझौता क्यों ?

आप सभी को इस दीपावली और आने वाले नए वर्ष में आनंद सौभाग्य और समृद्धि की कामना के साथ पुन: बहुत शुभकामनाएं।

अतिथि सम्पादक

श्रीमती राधा पालीवाल
शिक्षाविद्, राजसमंद

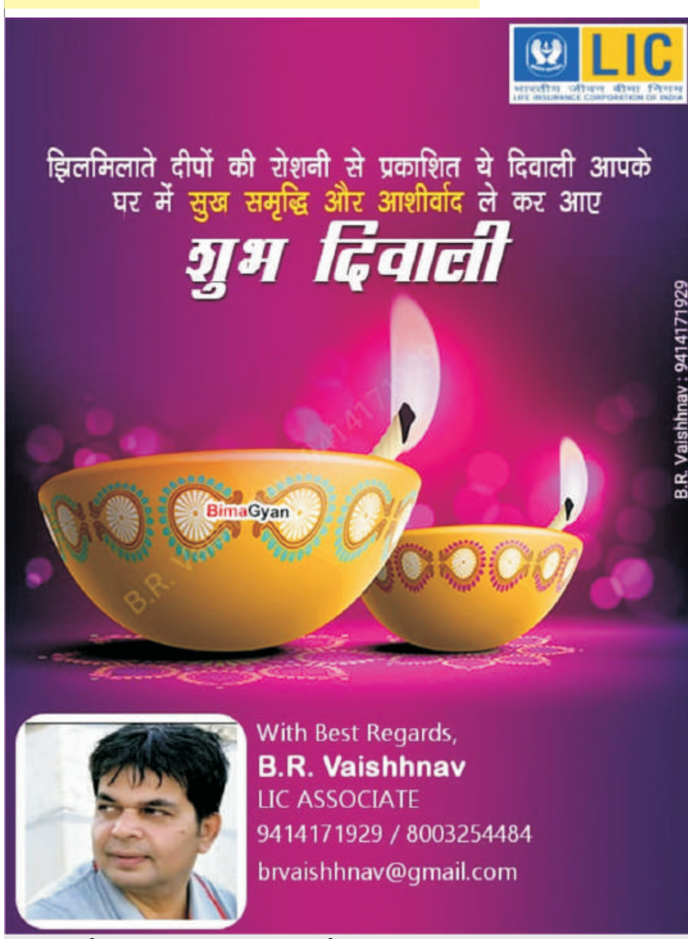

दीपावली के पावन पर्व पर
सभी व्यापारीगण
एवं आमजन
को हार्दिक शुभकामनाएं

कमल खण्डेलवाल

अध्यक्ष

जिला खाद्यान व्यापार संघ, राजसमंद
मो. 9602230531

Ashoka Food Industries

Address :NH 8 Miyari Village Kelwa 9602230531, 9414173532

NATHDWARA GROUP OF INSTITUTIONS

NATHDWARA
Group of Institutions
Estd.2010

(Approved by Government of Rajasthan, NCVT, AICTE, NCTE, QCI, New Delhi & Affiliated to MLSU, RTU, Kota, BTER, Jodhpur, Dr. Bhimrao Ambedkar Law University, Jaipur)

Upali oden, Nathdwara, Dist. Rajsamand (Raj.)
Contact : 94141-74064, 96368-15142, 95713-45111

Courses Offered

ITI	B.Sc. B.Ed. 4 Years Intergrated	B.A. B. Ed. 4 Years Intergrated
B. Tech	B.Sc. PCM BCZ PCC	BCA
Diploma Electrical & Mechanical	M.Sc. Physics Chemistry, Mathematics	LL.B.

www.ngi.edu.in NGInathdwara nginathdwara NGI Nathdwara

श्रीजी हॉस्पिटल ऑर्थोपेडिक एवं ट्रॉमा सेन्टर
राजसमन्द जिले का सर्वप्रथम ऑर्थोपेडिक एवं ट्रॉमा सेन्टर
परामर्श समय प्रातः 10 बजे से 2 बजे सायं 5 से 7 बजे
शुभ दीपावली
Consultant : Dr. Lalit Dadhich (Ortho Surgeon)
Mob. 9414159123, 9530076346,
Dr. Aarushi Dadhich (M.B.B.S.) R.M.O,
Dr. Daksha Ojha. B.P.T. Phisio-therapist
डॉ. ललित दाधीच
उपलब्ध सुविधाएं :- ▸▸ IITV द्वारा सभी तरह के फ्रेक्चर्स के ऑपरेशन बिना चीर फाड़ के ▸▸ आंशिक एवं सम्पूर्ण जोड़ प्रत्यारोपण। ▸▸ रीढ़ की हड्डियों के सभी प्रकार के ऑपरेशन। ▸▸ सभी तरह के जोड़ो के दर्द के इंजेक्शन द्वारा उपचार। ▸▸ सभी तरह के आधुनिक प्लास्टर। ▸▸ आधुनिक लेबोरेट्री। ▸▸ डिजीटल एक्स-रे मशीन। ▸▸ आधुनिक फिजियोथैरेपी सेन्टर। ▸▸ समय-समय पर बीएमडी मशीन द्वारा कमजोर हड्डियों की जांच ▸▸ निःशक्त एवं बीपीएल परिवार को विशेष रियायत।
अरिहन्त नगर, सोमनाथ चौराहा के पास नाथद्वारा रोड- राजसमन्द

जयवर्द्धन NEWS
राजसमंद जिले की ताजा खबरों के लिए देखिए
YouTube Channel Jaivardhan News

दीपोत्सव
पर नगर परिषद की समस्त जनता
को हार्दिक शुभकामनाएं
अशोक टांक
सभापति
नगर परिषद राजसमंद

मुस्कान के लिए मुहूर्त की जरूरत नहीं...

वक्त की कैद में जिंदगी है मगर चंद घड़िया यही है, जो आजाद है...

कहते हैं मुस्कुराने के लिए किसी मुहूर्त की जरूरत नहीं होती और आनंद का एक क्षण ढूंढ़ने वाले को कहीं पर भी मिल जाता है। एक युवक को पगड़ी पहनाते ही वह खुशी से हंसने खिलखिलाने लगा और आनंद का यह क्षण घटित हुआ।

दीपावली विशेष

आत्मदीपो भव :

शुभं भवतु कल्याणंमारोग्यम पुष्टि वर्धनम।
आत्मतत्व प्रबोधाय दीप ज्योति नमोस्तुते।।

अर्थात शुभता प्रदान करने वाली और आत्मतत्व को प्रकाशमान करने वाली दीपज्योति को मैं हृदय से प्रणाम करता हूं।

भारत को तीज त्योहारों का देश कहा जाता है और राजस्थान में तो 'सात वार तेरह तेवार' की मान्यता है। पर बात जब कार्तिक मास की हो तो दीपोत्सव जनमानस में उमंग, उल्लास भर देता है। हमारे शास्त्रों में बताया गया है कि इसी दिन श्री हरि विष्णु लंबी नींद के बाद जगते हैं और दीप ज्योति से प्रभु जागरण का प्रकटीकरण किया जाता है। दीपक का न केवल अध्यात्मिक वरन वैज्ञानिक महत्व भी है। यह हमें घोर अंधकार से लड़ने की न केवल शक्ति प्रदान करता है अपितु स्वयं तपा, खपा दूसरों के जीवन में प्रकाश फैलाने की प्रेरणा भी देता है। दीपक जीवन में आशा और नव चेतना का संचार करने के साथ समन्वय का भी स्वरूप है जहां दीये, बाती, तेल अपने पृथक अस्तित्व की चिंता किए बिना अपने को तिरोहित कर अन्य का मार्ग उज्ज्वल बना देता है।

इतिहास के पन्नों में दीपावली केवल राक्षसराज रावण को मारकर प्रभु श्रीराम के अयोध्या आगमन तक सीमित नहीं है, वरन् इसी दिन रसराज प्रभु श्री कृष्ण ने भी अपनी देह का त्याग किया। यादवेंद्र कन्हैया ने इसी दिन नरकासुर का वध किया तो महादानी बली से वामन प्रभु ने तीन डग भूमि का दान देवहितार्थ मांगा था। इसी दिन महासमुंद्र मंथन के बाद भगवती महालक्ष्मी का अवतरण, श्रीकृष्ण का गौचारण के बाद गोकुल में भव्य स्वागत हुआ था। यहीं तो वह दिन था जब महाकाली के क्रोध को महाकाल शिव ने शांत किया।

कहते हैं नचिकेता इसी दिन जीवन मृत्यु का रहस्य जानने के बाद यमलोक से मृत्यु लोक लौट आए थे। महावीर स्वामी का निर्वाण दिवस, मुगल बादशाह जहांगीर की कैद से मुक्त हो कर गुरु हरगोविंद सिंह अमृतसर वापस आए तो दीपोत्सव मनाया गया। इसी दिन धर्मराज युधिष्ठिर का राजसूय यज्ञ सम्पन्न हुआ तो सम्राट चन्द्रगुप्त का राज्याभिषेक भी हुआ। स्वामी दयानंद सरस्वती का निर्वाण और शिवाजी महाराज के गुरु रामतिर्थ का जन्म और

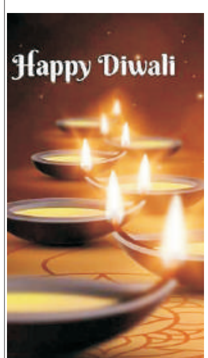

निर्वाण इसी दिन हुआ।

श्रीशुक्त में भगवती महालक्ष्मी की श्री के रूप में अभ्यर्थना की गई है जो धन धान्य और वात्सल्य मयी है। वह हमें मन और वाणी से दीप्त करती है। जिससे हमारे जीवन में दानशीलता का अर्विभाव हों। यह हमें श्रमनिष्ठ भी बनाती है। जीवन में श्री का आगमन स्थिरता बढ़ाता पर जीवन की पूर्णता के लिए अष्टकला लक्ष्मी जरूरी है। पहली कला है विभूति। लौकिक जीवन में पारिवारिक दायित्वों को पूरा करते हुए शिक्षा, पीड़ित मानवता की सेवा, जलसेवा, दानभाव कर्म परिलक्षित हो तो उसे विभूति कहते हैं। दूसरी शक्ति नम्रता है यह व्यक्ति को ऊंचाई प्रदान करती है। श्रीमहालक्ष्मी की तीसरी शक्ति कान्ति कहा गया है जब जीवन में विभूति और नम्रता का प्रवेश होता है तो कान्ति का स्वत पदार्पण अपने आप हो जाता है। मन, वाणी और कर्म में साम्य चौथी कला तुष्टि को माना गया है। इससे जीवन में दिव्यता का मार्ग प्रशस्त हो जाता है।

भगवती महालक्ष्मी की पांचवीं कला कीर्ति, छठी सन्नति है। सातवीं कला पुष्टि के बूते जीवन में संतोष की अनुभूति होती है, आठवीं कला उत्कृष्टि से जीवन में अनवरत वृद्धि का संचार होता है। इन आठ कलाओं के सहारे हम श्री के आराधक, उपासक बन जाते हैं।

सच्चे श्री उपासक आत्मदीपो भव के भाव आत्मसात कर दीपक की तरह ज्ञान, सेवा और कर्म की साम्यता रख आलोक फैलाने यत्न करना चाहिए।

दिनेश श्रीमाली
शिक्षाविद, राजसमंद
मो. 94141-76733

Jaivardhan News

जयवर्द्धन NEWS
राजसमंद जिले की ताजा खबरों के लिए देखिए
YouTube Channel Jaivardhan News

संस्कृति

कृषि संस्कृति का पर्याय है

गोवर्धन पूजन

गौवंश की महिमा भारतीय वांग्मय में प्रचुर-प्रसार के साथ गाई गई है। गाय से प्राप्त पंच गव्य प्रदार्थ अमृत तुल्य माने गये है। दही-दूध के अलावा घी औषध के रूप में प्रयोग किया जाता है। गौ मूत्र सेनेटराईजिंग प्रदार्थ है, जिसके छिडकाव मात्र से हानिकारक किटाणु जीवाणु नष्ट होते है तथा गाय का गोबर जलाने पर या आंगन लीपने के काम में लिया जाता है। गाय के गोबर में वे सभी तत्व मौजूद रहते है, जिनसे हमारी फसलें पुष्पित-पल्लवित होती है।

हमारे देवालय अथवा-देव स्थल गोबर तथा गौ-मूत्र से पवित्र किये जाते है। यज्ञादि शुभ कार्यो में अग्नि - प्रज्वलित करने हेतु गाय के आरने कण्डे काम में लिये जाते रहे हैं। कई बिमारीयों में गो-मूत्र नीम के पतो के द्वारा छिडकाव के काम आता है।

गौ-मूत्र में रसायन शास्त्रियों ने कई रासायनिक तत्वों की फहरिस्त दी है- गौ-मूत्र में नाईट्रोजन,अमोनिया, कॉपर, मेग्नीज, साल्ट, केल्सियम, आरयन, फास्फेट, कोर्बोलिक एसिड, सल्फर, अमोनिया गैस, पोटेशियम, यूरिक तत्व, जल,यूरिक एसिड, सोडियम तथा विटामिन ए.बी.सी.डी. तथा अन्य कई मिनरल्स मौजूद होते हैं। हिप्युरिक एसिड व स्वर्णक्षार भी होता है।

भागवत में कहां गया है कि, '' छाछ के पीने वाले ने छत्रपति(कंस) को मार दिया। गाय के दूध में सभी छः तत्व क्रमशः प्रोटीन,वसा,कार्बोहाड्रेट्र, पानी, खनीज व विटामिन होते हैं जो मनुष्य की इम्युनिटी बढाकर रोगों से बचने की शक्ति प्रदान करते है। गाय का घी आयुर्वेद के औषध के रूप में काम लिया जाता है।

द्वापर में वासुदेव श्री कृष्ण का जन्म मथुरा की जेल में हुआ था किन्तु वसुदेव जी ने उन्है बृज में नन्द बाबा गोप के यहां रातों रात पहुंचा दिया। बृज के गौपालक नन्द के ग्वालों में कंस अत्याचारी से मुकाबला करने की शक्ति थी, क्योंकि कृषक-पशु पालक थे और प्रकृति में विचरण करने वाले तथा दूध दही छाछ पीने वाले शक्ति शाली समाज के लोग थे। पशु धन व कृषि ही उनका जीवन आधार था। इसी कारण से उस समय के लोग भारत को कृषि प्रधान देश मानते थे और यह कहावत प्रचलित थी कि, '' भारत में घी, दूध की नदियां बहती है''।

वेद पुराण पद-पद पर गाय के महत्व को दर्शाते हैं-

गावों समाग्रतो नित्यं, गावः पृष्ठत एवच।
गावों में सर्वतष्चैव गवां मध्ये व साम्यम।।

भगवान राम व श्री कृष्ण ने गौ ब्राह्मण हितार्थ व सुखाय सिद्धांत को सर्व सिद्धि वाला बताया है। गौ-वत्स हमारे कृषि कार्य के सम्बल थे किन्तु आधुनिक मशीनी युग ने हमारी प्राचीन कृषि पद्धति को नष्ट भ्रष्ट कर दिया है और पुष्ट नस्ल के बैल आज सड़को पर पीड़ित-भूखे भटक रहे हैं। वत्स शब्द से वात्सल्य शब्द बना है। रघुवंश में कहानी आती है कि, '' राजा दिलीप ने नन्दिनी गाय की रक्षा में सिंह के सामने अपनी बलि देने को राजी हो गये थे। नन्दिनी ने राजा दिलीप को कहा, हे राजन! मैं केवल दूध देने वाली गाय ही नही हूं, मैं तो प्रसन्न होने पर सभी कामनाओं की पूर्ति करनी हूं। इसी गौ महत्व को श्री कृष्ण ने ब्रज में जाकर बाबा नन्द को बताया था।

पहले ब्रजवासी इन्द्र देव की पूजा करते थे क्योंकि किसानो की राय में इन्द्र जल का देवता है। किन्तु एक दिन श्री कृष्ण ने अपने नन्द बाबा को कहां, ''बाबा! हम कृषक है, पशु पालक है, और हम गौ-वंशीयों का पालन तो गोवर्धन (गिरि) करते है। हमें घास, जड़ी बुटियां व जल के झरने गोवर्धन पर्वत से मिलते है। हम इन्द्र को क्यों पूजे, गोवर्धन जी के पूजन की तैयारी करें और छप्पन भोग भी हम गोवर्धन जी को अरोगवावें। नन्द बाबा और सभी गोप ग्वालों ने इन्द्र पूजा बन्द कर के उसी दिन से गोवर्धन जी को छप्पन भोग लगाना शुरू कर दिया किन्तु इन्द्र ने कोप कर वर्षा की झड़ी लगा दी। सभी पशु पक्षी व ब्रजवासी घबराने लगें और रक्षा की श्री कृष्ण से प्रार्थना करने लगें। उसी दिन से गोवर्धन पूजन की परम्परा व अन्नकूट लुटाने का रिवाज पुष्टि मंदिरों में प्रारम्भ हुआ।

आज भी गांवों कस्बों व भारतीय समाजों में गोबर का गौवर्धन बना कर उसकी दूध दही धूप दीप, गन्ना,कपास आदि लगा कर श्रद्धा से पूजन करते है। उक्त सभी प्रदार्थ कृषि से सम्बंधित है जो समृद्धि के प्रतीक है।

वर्तमान में हमारे पुष्टि सम्प्रदाय की सातों पीठों के मंदिर में, कान जगाई, गोवर्धन पूजन व अन्नकूट का पर्व पंच दिवसीय उत्सव धनतेरस से लेकर भाई बीज तक मनाया जाता है।

यह त्योहार कृषकों का मुख्य त्योहार है, किन्तु कृषक अपनी फसलें व्यापारियों को बेचते हैं तो वे भी सम्पन्न होकर लक्ष्मीजी का पूजन करते है। तथा गृहिणियां साक्षात लक्ष्मी सी सजी धजी अपने गृहों की शोभा बढाती सुख -समृद्धि की मनो कामनाएं करती है। दीपावली के अगले दिन इन मंदिरों में आदिवासियों को पके हुए चावल व प्रसादी सामग्रियां लुटाकर अन्नकूट -भीलों की लूट का जलसा सम्पन्न होता है। दर्शनों में श्री कृष्ण के विग्रह को विभिन्न श्रृंगारों से सज्जित कर मोरपंख का मुकूट धारण करा के गौ-क्रीडा के समक्ष पाठ पर पदराये जाते है। श्रद्धालुओं का हुजूम हर्षोल्लास से आन्नद उठाते, जय कारे लगाते अपने मावन जीवन का लुफ्त उठाते है।

दिवाली की संध्या ''कान जगाई'' के नाम से मनाई जाती है। प्रभु श्री कान तिवारी में विराजमान होते है। तथा सिंह पोल चौक में खेलने वाली गाय को ग्वाल खेंखरा खेलाता है। मुखिया और ग्वाल टोली हीड़ गायन का सुरीला राग छेड़ कर प्रभु के सम्मुख सजी धजी पौशाक अंगरखी व धोवती तथा सिर पर किलंगी धारण कर '' आज दिवाली से, दिन बडो भर मावस की रें'' टेर से आलाप करते नजर आते है।

आरती के समय ''बोल श्री द्वारकाधीश की जय, बोल श्री राधे, पूंछरी के लोठा की हूप-हूप बोल मेरे प्यारे-गिरिराज धरण की जय'। इस नारे से पूरा वातावरण गूंज उठता है। अन्नकूट के कीर्तन में परमानन्द दास का कीर्तन मंदिरो में गाया जाता है।

बड़ो देव गोवर्धन रानो।
वाकी छत्र छाह हम बैठे, ताको तजि ओंर का मानो।।
खीर खण्ड घृत भोजन, सेवा ओदन सब अनुपम आनो।
परमानन्द गोवर्धन -उत्सव, अन्नकूट अलौकिक जानो।।

इसी प्रकार कृष्ण दास का एक पद दृष्टव्य है।

जै -जै लाल गोवर्धन धारी, इन्द्र मान भंग कीनो।
बाम बाहु राख्यो गिरि नायक, दासन को सुख दिनो।।
सात दिवस सुरपति पचि हायौ, गो सुत सींगन भीनों।
कृष्ण दास स्वामी मोहन के, सांच परचो मति दीनो।।

यह सनातन गोवर्धन पूजन गोबर के खाद का संरक्षण करने एवं फसलों को शुद्ध खुराक देकर अन्न धन भण्डारण की भावना का प्रतीक बन गया, जो श्री कृष्ण ने हमे उपहार रूप में दिया था।

फतहलाल गुर्जर 'अनोखा'
वरिष्ठ साहित्यकार जाट गली,
मंदिर मार्ग कांकरोली, राजसमंद
मो. 99286-25757

हमारे क्षेत्रीय प्रतिनिधी जहां से आप जयवर्द्धन मासिक पत्रिका प्राप्त कर सकते हैं एवं वार्षिक बुकिंग कर सकते हैं।

भीम - हीरालाल भाट मो 99296396015
देवगढ़ - अभिषेक माहेश्वरी, मो. 97856-85611
रेलमगरा - रोशनलाल टुकलिया मो. 9414927728
आमेट - मॉडर्न स्टेशनर्स, लक्ष्मी बाजार, आमेट
खमनोर - दिलीप श्रीमाली, मो. 99285-60237
गोमती चौराहा, चारभुजा- भीमराज कोठारी मो. 9610973283
उत्तरप्रदेश - एस.एन. कुंवर - 77259-99777
कुंवारिया - विनय दाधीच मो. 7665005378
नाथद्वारा - कीर्ति स्टेशनर्स, नई सड़क
गजपुर - प्रभुदास वैष्णव मो. 7568485624
मोही - बाबूलाल कीर, मो. 98292-41423

राजसमंद आज कल और कल

आइए जानें अपने शहर को

सशक्त नारी, सशक्त कांकरोली का पर्याय थीं पद्मावती जी महाराज

धार्मिक संबलन से आकार लेते एक नगर का यह इतिहास स्पष्ट करता है कि कांकरोली हो या नाथद्वारा। ये धार्मिक नगर अपनी सांस्कृतिक, धार्मिक पृष्ठभूमि के कारण ही विशेष सम्मान पाते रहे और इन संस्थानों का जादुई करिश्मा सदैव राजा महाराजाओं को अभिभूत किए रहा। इसीलिए अनेक राजनीतिक संकटों के रहते भी ये नगर अपनी धार्मिक विरासत के रक्षण में न केवल सफल रहे होंगे, बल्कि सामरिक व्यूह रचना के कौशल का एक नया बौद्धिक परिदृश्य भी अन्य धर्म स्थलों के लिए नज़ीर बना होगा। आमीर खां जैसे दुर्दांत यवन के लूट और उपद्रव के उद्देश्य से कांकरोली मंदिर में आने पर उसे द्वारकाधीश जी के दर्शन कराकर मंदिर प्रबंधन ने साम्प्रदायिक सद्भाव का वि.सं. 1867 की उदयपुर राज्य की विपरीत परिस्थिति में परिचय दिया। कांकरोली की निर्धन और द्वारकाधीश भरोसे प्रजा का तब ब्रजस्थ वल्लभ संप्रदाय के प्रति विश्वास और भी सुदृढ़ हुआ था।

यह समय तात्कालीन तृतीय पीठ के नवम् तिलकायत श्री पुरुषोत्तम जी का था, जो चित्रकला एवं अन्य हस्त कौशल कलाओं के शौकीन थे। उनके इस शौक ने कांकरोली के आम जीवन को इन रुचियों के प्रति आकर्षित होने का अवसर दिया, जो कालांतर में इस मंदिर परिसर में इन प्रवृत्तियों के संग्रहालय के शनै: शनै: विकास का कारण बना। यही समय कांकरोली ठिकाने को एक सशक्त प्रशासिका और प्रबंधक महिला शक्ति श्री पद्मावती जी के मिलने का समय था, जिन्होंने वि. सं. 1898 में सशक्त नारी सशक्त कांकरोली का वह रूप ला खड़ा किया, जो आज इक्कीसवीं शताब्दी की सामाजिक संरचना का आधार माना जा रहा है।

एक अन्य दृष्टि से यह युग उदयपुर राज्य में बहुत कम अंतराल में बदलते चार शासकों के संघर्षशील नेतृत्व का युग था। महाराणा भीमसिंह, जवानसिंह, सरदारसिंह और सरूपसिंह। बावजूद अल्पकाल, इन सभी का कांकरोली ठिकाने के प्रति आदर भाव बराबर बना रहा था। वि.सं. 1874 (सन् 1894) में ईस्ट इंडिया कंपनी की मेवाड़ के साथ संधि होने से मेवाड़ में शान्ति का वातावरण स्थापित हुआ, जिसका लाभ कांकरोली को मिला। यही कारण था कि भीमसिंह और अनन्तर जवानसिंह के समय को कांकरोली के लिए प्रशासनिक सुधार का समय कहा जा सकता है। राणा जवानसिंह जी द्वारा कांकरोली ठिकाने की महत्ता बढ़ाने की दिशा में यहां उनके द्वारा स्वायत्त शासन की स्थापना कर यहां के धर्माचार्य पुरुषोत्तम जी को विशेष न्यायिक अधिकार दिए गए। कांकरोली के लिए यह समय एक जिम्मेदार प्रबंधक के रूप में अपने स्वरूप विस्तार का भी समय था। नाथद्वारा के साथ भ्रातृत्व भाव का विस्तार और परस्पर सहयोग के दृष्टांत विकसित करने का भी यह समय था। नाथद्वारा के स्थानीय प्रबंधन की स्वतंत्रता पर एक बार जब उदयपुर द्वारा हस्तक्षेप किया गया, तब कांकरोली ठिकाने ने ही नाथद्वारा को संबलन दे उदयपुर राज्य को उसकी भूल का एहसास कराया था।

कांकरोली की यह समृद्धि तब यहां के वासियों के लिए भी उत्साहपूर्ण आयोजनाओं का कारण बनी। राजसमंद झील के निर्माण की वार्षिकी का समारोह आज भी किंवदंतियों का विषय है। यही नहीं, मेवाड़ रियासत से बाहर भी कांकरोली का नाम पहचाना जाने लगा। उस समय मथुरा के सतघरा में श्रीनाथजी की चरण चौकी की स्थापना का श्रेय कांकरोली के श्री पुरुषोत्तम जी को ही जाता है और तृतीय पीठ द्वारा जयपुर के राजा सवाई रामसिंह जी को शिष्यत्व देकर पुष्टिमार्ग को जयपुर में प्रतिष्ठा दिलाना भी इसी विस्तार प्रक्रिया का परिणाम था।

जैसाकि ऊपर कहा गया, पुरुषोत्तम जी की पत्नी पद्मावती जी महाराज को यदि कांकरोली के जन इतिहास से अलग कर दिया जाये तो शायद यह कांकरोली और क्षेत्रवासियों को एक अप्रतिम महिला शक्ति से अपरिचित कर दिये जाने की भूल होगी। वि. सं. 1894 में महाराणा जवानसिंह जी ने कांकरोली को विशेष विधायी और न्यायिक अधिकार प्रदान किये थे, जिन्हें पद्मावती जी के व्यक्तित्व से प्रभावित होकर कालांतर में वि.सं. 1935 में महाराणा सज्जनसिंह जी ने भी इनका विस्तार किया और अन्य उमरावों के साथ महिला शक्ति का सम्मान करते हुए पद्मावती जी को आठ समान अधिकार के साथ दो विशेष अधिकार दिये थे। इन्हें कलम कहा गया।

ये कलमें महिला सशक्तीकरण के कांकरोली और मेवाड़ के एक अभिनव युग का प्रवर्तन कही जा सकती हैं। ये कमलें सशक्त महिला के सम्मान अभिवर्द्धन का मात्र जुमला नहीं, एक आत्मीय प्रयास थीं। नारी शक्ति के सुकृत्यों का प्रतीकात्मक पारितोषिक थीं। इनके माध्यम से कांकरोली की निर्माण संकल्पिका पद्मावती जी महाराज को नगर नियोजन, क्षेत्र के भौतिक और संस्थायी सांस्कृतिक धार्मिक अधिकार दिए गए थे। इसी से प्रेरित होकर पद्मावती जी ने वैष्णव जगत् के मध्य व्यापक भ्रमण कर अपनी सृष्टि का विस्तार किया। वित्तीय नियोजन कर नगर में सुनियोजित निर्माण कार्य भी कराये। मंदिर महल के पुराने भवन का जीर्णोद्धार, नगर सुरक्षा हेतु सूरजपोल का निर्माण, पेयजल प्रबंधन हेतु नजरवाड़ी में बावड़ी का उद्धार, बाग बगीचों के संरक्षण संवर्द्धन व सिंचाई हेतु राजसमंद झील के वर्तमान धोरा मोहल्ला में रहट निर्माण सहित मंदिर परिसर में संगमरमर जड़ाव व सड़कों, नालियों का अंतर्निर्भर विकास कार्य कराया। दत्तक पुत्रों श्री गिरिधरजी व आगे बालकृष्णजी की बाल्यावस्था के रहते एक संवेदनशील प्रशासिका के रूप में आपने उदयपुर राज्य से सशक्त संबंध बनाए, जिसका लाभ अंतत: कांकरोली के जन जन को मिला। वि.सं. 2011 में कांकरोली क्षेत्र में है, जो महामारी फैलने पर बेहतर स्वास्थ्य प्रबंधन के कार्य आपके जनाकांक्षी सोच का परिचायक थे। यही क्यों, वि.सं. 2015 में भारतीय स्वतंत्रता सेनानी तांत्या टोपे के इस क्षेत्र में आने पर अंग्रेजों के साथ इस सेनानी के टकराव की भूमि जावद में बनने और गंभीर स्थिति होने से क्षेत्र को बचाने के लिए उदयपुर महाराणा के सहयोग से संकट समाधान कराने और नगर ग्राम को बचाने में भी इस महिला शक्ति के दूरगामी सोच को तब जनता ने देखा।

इतिहास में इस महिला शक्ति के अवदान को नहीं देखा गया। यह हमारे इतिहास बोध का अभाव है, लेकिन आज भी नारी शक्ति के सम्मान का दम भरने वाले हम उसे वर्तमान पीढ़ी के समक्ष कितना उल्लेखनीय बना पाए हैं। यह नगर नियोजकों के लिए विचारणीय विषय है। बनते, संवरते कांकरोली की इस नेतृत्वशीला नायिका को हाशिये से निकाल उचित स्थान दिलाने का क्या तरीका हो, सुधी नगर जन ही विचारें... क्रमश:

प्रस्तोता :

डॉ. राकेश तैलंग
वरिष्ठ साहित्यकार
द्वारकेश मार्ग, कांकरोली
मो. 9460252308

Raising Awarness

Spread Love-Spread Happiness

Saurabh, a simple person who recently got appointed in a US based company with a very high salary. This was perhaps the wonderful gift anyone could have expected. He was very excited to celebrate Diwali festival this time with all his family members and friends so he invited all.

He spent a lot on house decoration, purchased new clothes for all and made his life comfortable with all the electronic gadgets. The decoration, the food, the attires, the gathering, the fun, the joy, the arrangements It was not less than a royal feast on the day of Diwali and the house looked like a palace.

They exchanged gifts, enjoyed variety of foods, had dance, music, fun and spent a memorable day. His expectations came true, he was so happy that he could make his festival the way he thought of.

It was late night when Saurabh and his family members were saying a good bye to their friends after offering them expensive gifts. While back to home Saurabh saw two younger kids standing at his door step. The poor kids perhaps didn't wash the attire since months and of course they were not matching the house they were standing at but why so late, Saurabh was thinking. Curiously he went to them and asked if there was everything fine with them. The kids whispered; they were feeling very hungry and had no food to eat.

Saurabh was like what? No food to eat?

The kids started crying, might be their previous experience of getting scolded made them cry. Saurabh tried his best to know why they were crying but they kept on nodding the head.

He went in his house and came with two plates full of food. Children were happy to see the food plates. They took the plates and moved towards their house. Saurabh was bit restless and so he followed both the kids.

At walking distance there was a house with no door and children entered in with a loud voice, maaaa…maaaaaaa…...khana mil gaya…..maa…

Saurabh saw a weak lady in the bed having a pale smile on her face. This smile was not for the food but for the smile she could see on her kid's face.

Saurabh had clouds in her eyes by looking at this situation. He could never imagine this painful scene ever. He was out from his imaginary world the moment he met the real world.

Children started eating with their mom and Saurabh came out of the house. On his way back to home he was not returning to home actually but he was going somewhere he never been ever.

Next Diwali he had better plan to celebrate it. He had a good budget for Diwali celebration this time and he kept an equal budget to spread love and happiness. He purchased new clothes, food, sweets, Diya, oil and crackers. He decided to spend his few hours with those who were not having everything to celebrate Diwali but together they could have something on this Diwali.

Saurabh could feel the real happiness today and therefore he decided to spread love and happiness. Further his kids too could find the real happiness and started using their pocket money to spread love and happiness.

Let's find the people fighting for their daily need and support them on this Diwali.

Manisha Lashkari
Principal, Smart Study International School
Nathdwara, Rajsamand

व्यंग्यबाजी

लूटन भैया की कलम में दम और धार दोनों है। उनका दिमाग चाचा चौधरी के दिमाग़ से भी तेज चलता है। किंतु किस्मत है जो देश के जीडीपी की भांति उपर चढ़ने बजाय नीचे ही लुढक जाती और लूटन भैया का साथ देने की बजाय विपक्षी दल की तरह अड़ंगा लगाने के लिए खड़ी नजर आती है। उनकी लेखनी के सार को कुछ इस तरह समझा जा सकता है कि लूटन भैया लिखते तो है सागर जितना पर उनमें स्तरीय होता है बाल्टी भर और यदा-कदा छपती है तो चाय के कुल्हड़ जितनी। निराश एवं हताश लूटन भैया बौद्धिक विकास अर्थात लिखास छपास के लिए फेसबुक बाबा की शरण में आ गए और लल्लन टॉप पासपोर्ट साइज छायाचित्र सहित व्यंग्यकार लूटन सन्नाटा के नाम से अपनी धांसू प्रोफाइल बना ली। तत्पश्चात सैकड़ों कवि / लेखक/ व्यंग्यकारों से जबरन फेसबुकिया मैत्री संबंध भी स्थापित कर लिया।

फेसबुक पर ढेर सारे अवार्डधारी, साहित्य शिरोमणि अपने-अपने दल या दलबदलू साहित्यकार चेला चपाटी के साथ पहले से ही फेसबुक के अधिकांश क्षेत्रफल को कब्जियाए बैठे थे। सन्नाटा भी व्यंग्य की चड्डी लंगोट बांध कलम में स्याही एवं मोबाइल में डाटा पैक भर व्यंग्य सृजन कुप में कूद पड़ा। विसंगतियों पर लेखन का जोश तो बिना रिवाइटल खाए परवान पर था।

जब व्यंग्य नगर में प्रवेश किया तो वो दंग रह गए। ढेर सारी व्यंग्य की दुकान जिनमें वरिष्ठ, गरिष्ठ, विशिष्ट से अशिष्ट दुकानदार (व्यंग्यकार) तक गद्दी जमाए बैठे थे। लूटन सन्नाटा कन्फ्यूज हो गए कि आखिर मानद सदस्यता ले तो किस कलमतोड़ गुट की। स्थिति मछली मंडी से भी बदतर।

फेसबुक नगरी के व्यंग्य बाजार में हर भेरायटी के व्यंग्यकार, साहित्यकार अपनी अपनी दुकान सजाए मौजूद थे। कई स्थापित लेखन क्षेत्र की अपनी राष्ट्रीय स्तर की पत्र-पत्रिकाओं में छपे दैनिक उपलब्धियों को परोस आत्म मुग्ध हो रहे थे तो कोई लोकल जुगाड़ मेल, बेकार मेल, भंगार मेल आदि पत्र-पत्रिका के कतरन से वाह, आह, सुंदर, शानदार, बधाई आदि टिप्पणियां बटोर कर फेसबुक पर गांधी-मोदी के स्वच्छता अभियान को कबाड़ा करने पर तुले हुए है। मार्केट में व्यंग्यकारों का अलग-अलग गुट और मठ था तो उसके पोषक अलग-अलग गुटाधीश और मठाधीश।

कुछ अवार्ड धारी गरिष्ठ व्यंग्यकार पुष्प-पत्र लेकर सन्नाटा को अपनी मंडली में प्रवेश के लिए इशारा कर रहे थे। चौकिए नहीं ये पुष्प पत्र सन्नाटा के स्वागतार्थ नहीं अपितु तथाकथित गरिष्ठों के अभिषेक हेतु था जो इस गुट में शामिल होने वाले समस्त नए सदस्यों को इस मृत्युलोक में संपूर्ण साहित्य जीवन अवधि तक मंडली के संस्थापक व गरिष्ठ व्यंग्यकारों के चरणों में समर्पित करना था। जब कृपाचार्यो की कृपा बरसेगी तो सन्नाटा जी भी इन्हीं श्रेणी में शामिल हो जाएंगे। सन्नाटा जी को यह काउंटर रास ना आया फलतः वे इस पुष्प पल्लव की दुकान से आगे बढ़ चले। ठीक बगल में आलोचक शोरूम था। जिसके वचनवीर वर्कर (व्यंग्यकार) ने उन्हें रोक लिया और अपने गुट का कैटलॉग दिखाने लगे। इस समूह में कुछ दुर्लभ प्रजाति के व्यंग्यकार थे जिनमें लगभग की एकाध पुस्तकें भी छप चुकी थी लेकिन आज तक पुरस्कार का एक धेला तो दूर पुस्तक छपवाने में लगा लागत मूल्य भी ऊपर नहीं हो पाया था। इस समूह के ढ़ीठ सदस्य इसके लिए कमजोर लेखनी की बजाय वरिष्ठ व्यंग्यकार समूह की गंदी राजनीति को दोषी मानते है और जब तब मौका मिलता फेसबुक से टेक्स्ट बुक तक वरिष्ठों को गरियाने एवं दोषारोपण करने में चूक नहीं करते हैं। वरिष्ठ व्यंग्यकारों पर उंगली उठाने से इतना फायदा जरूर मिलता कि कुछ पाठक व लेखक उन्हें स्पष्टवादी व बेलाग लपेट सपाटबयानी वाला व्यंग्यकार समझने लगे हैं।

सन्नाटा जी को इस समूह में भी पंजीयन करवाने में इंटरेस्ट नहीं था सो आगे बढ़ चले। आगे की स्थिति तो और भी बदतर और शर्मनाक थी। कुछ अल्प पूंजी (व्यंग्य लेखन में अल्प योगदान) वाले लेखक व्यंग्यकार का चोला तो पहन लिए थे किंतु हरकत खद्दरधारी वाली कर रहे हैं। ये समूह निष्पक्ष राजनीतिक विसंगतियों को उजागर करने की बजाय सत्तासीन सरकार के गुण मंत्र का जाप कर विरोधी पार्टियों की सत्यानाश करने में तल्लीन है। चाल चलन में इनके सदृश एक अन्य सौतेला व्यंग्यकार समूह विपक्ष के ज्ञान सागर का चालीसा पाठ कर सत्तासीन सरकार की बेदी बनाने पर आमदा है।

सन्नाटा भैया समझ नहीं पा रहे थे कि ये व्यंग्यकार है या राजनीतिक पार्टी के उम्मीदवार। इन्हीं सवालों में उलझे सन्नाटा जी थोड़ा आगे बढ़े तो एक बिलकुल फ्रेश नवोदित व्यंग्यकार का काउंटर लगा था जिसके कई उत्साहित सदस्य सन्नाटा को अपनी मंडली में शामिल होने के लिए हाथ पकड़ कर खींचने लगे। इस मंडली के सदस्यों को आए दिन किसी न किसी मेल/ टाइम्स/ ई-मैगजीन में छपने का सौभाग्य प्राप्त था जिसकी कटिंग वे पूरी तन्मयता व मित्रों के जबरन टैग के साथ फेसबुक पर चेंप देते है।

प्रकृति का संयोग कहिए जिस रचना को ये व्यंग्य के नाम पर रोजाना छपवाते हैं उन्हें ये तक पता नही कि अमुक प्रकाशित रचनाएँ वस्तुतः व्यंग्य है भी या नहीं उसीप्रकार पाठकों को भी ये नहीं पता होता था कि फलाना टाइम्स या मेल नामक कोई पत्र-पत्रिका है भी या नही। मतलब इस समूह के एक्सट्रा आर्डिनरी सदस्य टू इन वन योग्यता धारी है अर्थात व्यंग्य सेवी भी आप स्वयं है फिर छपने के बाद ढिंढोरची भी आप स्वयं है। इनके फेसबुक पोस्ट से लोगों को इनकी रचना का ज्ञान मिले ना मिले किंतु संबंधित गुमनाम पत्र-पत्रिका का भान जरूर मिल जाता है।

व्यंग्य बाजार भ्रमण करते करते थक चुके सन्नाटा जी में अब इतनी ऊर्जा नहीं बची थी कि ग्लूकोज़ सेवन करने के बाद भी नेक्सट काउंटर के व्यंग्यकार समूह की मनोवृत्ति, प्रवृत्ति व प्रकृति का अवलोकन कर सके। सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक विसंगतियों पर शब्द भेदी तीरचलाने वाले व्यंग्य सिपाही व्यंग्यकारों के बीच की व्याप्त गुटबाजी, मठबाजी व लट्ठबाजी आदि विसंगतियों को देख सन्नाटा जी आहत हो गए। उनके लेखनी की अगरबत्ती धुआं बनकर राख हो गई। उन्होंने बूझे मन से स्ट्रांग डिसीजन लिया कि ऐसे ऐसे ग्रुप में शामिल होकर व्यंग्यकार बनने से अच्छा है कि बेकार ही रहे और त्वरित कार्यवाही करते हुए झट से फेसबुक पर उन्होंने अपने प्रोफाइल को डिलीट कर अपना यूट्यूब चैनल प्रारंभ कर दिया।

विनोद कुमार विक्की
महेशखूंट बाजार, खगड़िया
बिहार, पिन 851213
मो. 9113473167

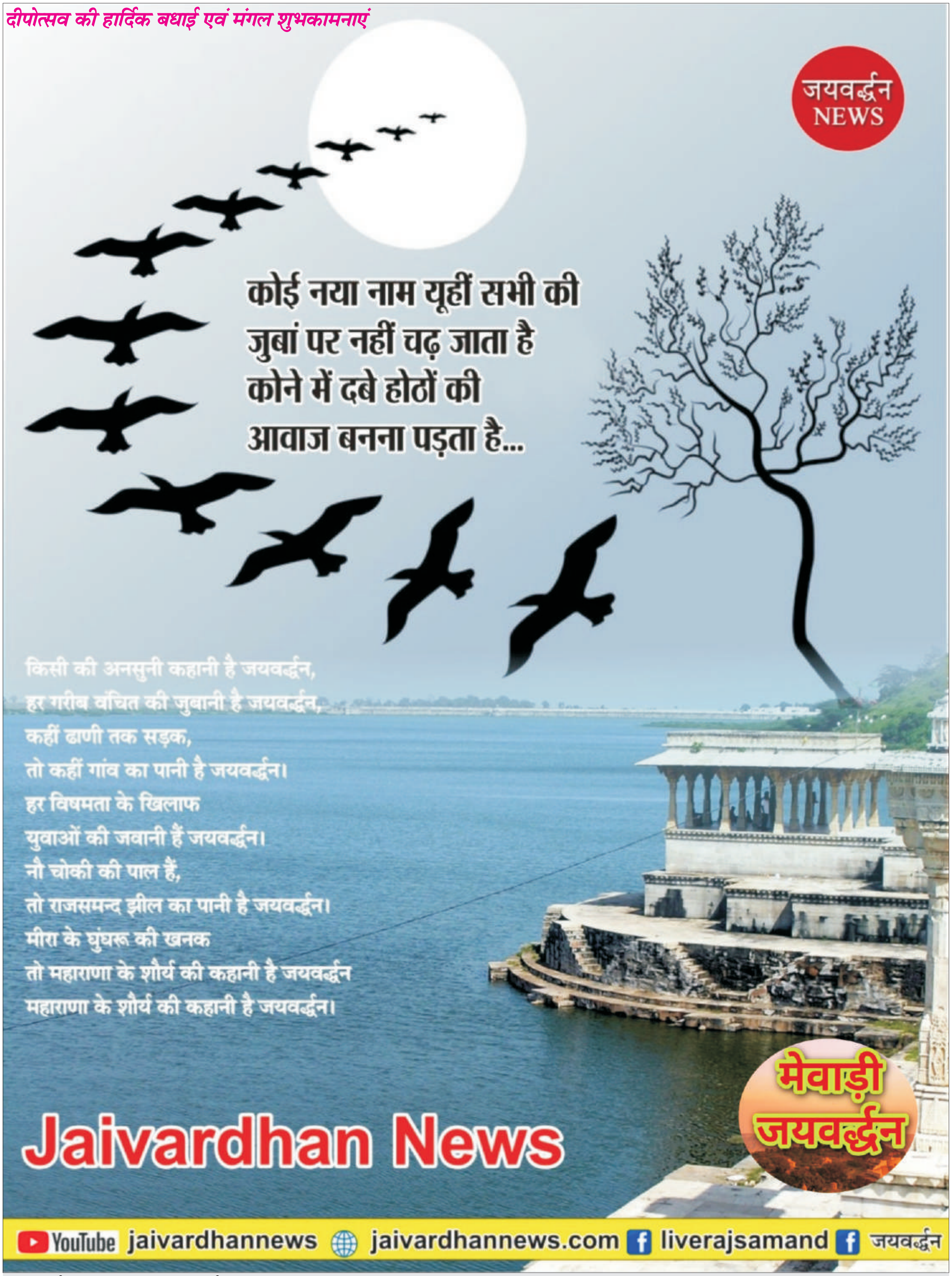

दीपोत्सव की हार्दिक बधाई एवं मंगल शुभकामनाएं
जयवर्द्धन NEWS
कोई नया नाम यूहीं सभी की
जुबां पर नहीं चढ़ जाता है
कोने में दबे होठों की
आवाज बनना पड़ता है...
किसी की अनसुनी कहानी है जयवर्द्धन,
हर गरीब वंचित की जुबानी है जयवर्द्धन,
कहीं ढाणी तक सड़क,
तो कहीं गांव का पानी है जयवर्द्धन।
हर विषमता के खिलाफ
युवाओं की जवानी हैं जयवर्द्धन।
नौ चोकी की पाल हैं,
तो राजसमन्द झील का पानी है जयवर्द्धन।
मीरा के घुंघरू की खनक
तो महाराणा के शौर्य की कहानी है जयवर्द्धन
महाराणा के शौर्य की कहानी है जयवर्द्धन।
Jaivardhan News
मेवाड़ी जयवर्द्धन
YouTube jaivardhannews jaivardhannews.com liverajsamand जयवर्द्धन

व्यंग्य

गलत आदर्श खतरनाक

पैसा, धन, दौलत, ताकत, शोहरत, कायदा, कानून, अधिकार आज़ादी से लेकर शिक्षा साधन जानकारी अथवा जो कुछ भी हमारे पास उपलब्ध होता है, उनको सही इस्तेमाल करने का मकसद नहीं समझते, लेकिन अवसर मिलते ही हर चीज़ का अनुचित उपयोग करना शायद हम भारतीय से अधिक कोई नहीं जानता है। शुरुआत खुद से करता हूं, मुझे फेसबुक व्हाट्सएप सोशल मीडिया की समझ नहीं है खिलवाड़ कर रहा, मनमाने ढ़ंग से उपयोग करता हूं और सोचता हूं, जानकार बन गया हूं। बहुमत ऐसे लोग सोशल मीडिया पर समय और साधन का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन समस्या उनकी है जिनको देश की समाज की बड़ी कठिन समस्याओं को हल करने की ज़िम्मेदारी मिली है, पर वो सभी अपना दायित्व निभाना छोड़ ऐसे पागलपन करते रहते हैं, जिनसे हासिल कुछ भी नहीं होता है। कोई भी शासक हर कार्य नहीं कर सकता है फिर किसलिए हर जगह शासक को उपस्थित होकर दिखाने को आडंबर करना ज़रूरी है। बहाना जो भी हो सत्ताधारी नेताओं अधिकारी वर्ग को शिलान्यास से उद्घाटन करने तक अपना नाम दर्ज करवाना ज़रूरी लगता है।

वास्तव में जैसे कोई मज़ाक लगता है किसी जनसुविधा के निर्माण भवन सड़क पुल स्कूल अस्पताल का बन जाने के बाद इंतज़ार करना किसी वीवीआईपी के हाथ से मुहूर्त होने का। उनका वास्तविक मकसद ज़रूरत पीछे रह जाता है और राजनेताओं का शोहरत पाना अपना नाम लिखवाना महत्वपूर्ण बन जाता है और ऐसा हर जगह हर दिन होता है। कभी कभी लगता है देश में कुछ मुट्ठी भर बड़े नाम वाले लोग सब करते हैं बाकी करोड़ों लोग कोई काम नहीं करते हैं। शायद इसकी शुरुआत फ़िल्मी कहानियों से हुई होगी जिस में अभिनेता सब कर सकते थे नाचना गाना लड़ना झगड़ना ही नहीं गुंडागर्दी करने से लेकर मासूमियत भोलापन गरीब से धनकुबेर तक अभिनय में सब कर दिखाना। भोला भाला गंवार महानगर में डॉन बन सकता था और खाली जेब नायक पलक झपकते ही रईस बन कर शोहरत की बुलंदी को छू सकता था। दर्शक की सबसे बड़ी नासमझी ऐसे काल्पनिक असंभव को सच होता देख विश्वास करना और स्वीकार कर तालियां बजाना था। लगता है फ़िल्मी टेलीविज़न की काल्पनिक कथाओं का पागलपन इक नशा बनकर छाया हुआ है और सबको देश और समाज की वास्तविक तस्वीर जो बदसूरत है को अनदेखा कर झूठी दिलकश मनमोहक छवि देखना राहत देता है। जैसे नर्कीय जीवन जीते हुए कोई ख्वाबों में स्वर्ग की कल्पनाओं में खोया रहे मगर उसको बदलने की कोशिश नहीं कर झूठी उम्मीद करता रहे कि कोई मसीहा आएगा और उसका कल्याण कर देगा। बिना समझे जाने सोचे विचारे हमने उन को मसीहा समझ लिया है जिनके पास किसी को देने को कुछ भी नहीं है जो खुद जितना हासिल है उस से अधिक पाने को व्याकुल रहते हैं। ऐसे सत्ता धन दौलत के पुजारी देश समाज को लूटने वाले मसीहाई का दिखावा कर हमको उल्लू बनाते रहते हैं और हम उनकी नकली चमक दमक को वास्तविक समझ धोखा खाते रहते हैं।

वास्तविक जीवन में कुछ भी बनने को समय मेहनत लगन और कितनी बाधाओं, कठिनाईयों को लांघना होता है। सैनिक किसान मज़दूर बनकर कार्य करना भी आसान नहीं होता है डॉक्टर शिक्षक वकील न्यायाधीश धर्मगुरु बनना किसी तपस्या से कम नहीं होता है और सिर्फइतना ही नहीं ये बनकर अधिकार मिलने के बाद अपने पेशे का फ़र्ज़ पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाना किसी तलवार की धार पर चलने जैसा है। पांव ज़मीर डगमगाने लगते हैं लोभ

लालच स्वार्थ खुदगर्ज़ी को देख कर। साधु संत बनकर भी लोभ मोह अहंकार से बचना आसान नहीं होता है। सच को समझने वालों से सच के झण्डाबरदार बने लोग झूठ की महिमा का गुणगान करने लगते हैं आम से ख़ास बनने गरीब से अमीर बनने की लालसा में। मगर जिन्होंने कोई शिक्षा कोई महनत कोई मुश्किल पार नहीं की बड़े पद पर पहुंच कर सिर्फचोला पहन लिबास धारण कर डॉक्टर वकील न्यायधीश से सैनिक किसान होने का अभिनय कर खुद को समाज को छलने का कार्य करते हैं। धर्म उपदेशक समाजसेवक बनकर नाम शोहरत पाने के इच्छुक लोग दानवीर कहलाने को लालायित लोग भी शामिल हैं फोटो करवाने वीडियो बनवाने इश्तिहार बंटवाने को सबसे महत्वपूर्ण कार्य समझने में। काश अपना कर्तव्य निभाते तो इन व्यर्थ कार्यों की ज़रूरत कभी नहीं पड़ती। शासन के सर्वोच्च शिखर पर भी खुद को बड़ा महान और सबसे विशेष जतलाने का मतलब भीतरी खोखलापन ही है। साधु संतों से योगी सन्यासी कहलाने वाले अपनी महिमा अपना गुणगान करवाने को छोड़ नहीं पाते हैं अर्थात दुनिया की मोह माया लोभ लालच अहंकार से ऊपर उठते नहीं कभी वास्तविक रूप से। आदर्श को आचरण नहीं खेल तमाशा बना दिया है। मदारी बनकर हमको अपने खेल से आचंभित कर उसे जाने क्या क्या समझते हैं जो सही मायने में किसी पागलपन की निशानी है।

लेकिन समस्या खुद हमारी है जो आज़ादी का महत्व नहीं जानते और आज़ाद होकर भी मानसिक तौर पर गुलामी के शिकार हैं। राजनेता, अभिनेता, खिलाड़ी, धनवान लोग जिन्होंने वास्तव में सिर्फ खुद अपने लिए सफलता हासिल की, किसी को कुछ देने नहीं, सिर्फ हासिल करने को लगे रहते हैं। उनको अपना आदर्श मसीहा क्या आराध्य तक समझने की मूर्खता करते हैं, जबकि उन्होंने हमारे लिए देश समाज की भलाई के लिए कुछ नहीं किया होता है, जो किया जो करते हैं, केवल अपने खातिर करते हैं। ख़ास नाम शोहरत वाले लोगों के सामने नतमस्तक होकर उनकी चाटुकारिता करना आदत बन गया है। घर गांव में हर किसी से अहंकार पूर्वक पेश आने और आपस में कुशलक्षेम पूछने में संयम बरतने वाले क्षण भर में बदले रंग ढंग में दिखाई देते हैं। शायद हमने सीखा ही नहीं अच्छाई, सच्चाई और काबलियत का आदर करना, बस उगते चढ़ते सूरज को सलाम करते हैं, जबकि मालूम है, समय बदलते यही सूरज शाम को खो जाता है रात के अंधेरे में। नकली सितारों को देखते देखते असली आसमान पर चमकते सितारों का दिलकश नज़ारा देखना हमने कभी का छोड़ दिया है।

डॉ. लोक सेतिया
वरिष्ठ साहित्यकार
फतेहाबाद, हरियाणा

समसामयिक प्रश्नोत्तरी

परितोष पालीवाल
82338 82818

1. हाल ही में भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने किस शहर में राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी है ?
2. एआई आधारित भाषा अनुवाद सॉफ्टवेयर 'प्रोजेक्ट उड़ान' का विकास किस संस्थान के द्वारा किया गया है।
3. राज्यसभा टीवी और लोकसभा टीवी को मिलाकर एक नया चैनल बनाया गया है, उसका नाम क्या है ?
4. हाल ही में किस राज्य को घर में बनी राइस ष्वाइन जूडिमाष् के लिए जी आई टैग मिला है ?
5. एमजीआर रेलवे स्टेशन जो हाल ही में पूरी तरह से सौर ऊर्जा द्वारा संचालित हो रहा हैए कहां स्थित है ?
6. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल ने हाल ही में टी-20 विश्व कप गान लॉन्च किया है। यह गीत किसके द्वारा तैयार किया गया है ?
7. हाल ही में किस राज्य की मेहंदी को जीआई टैग मिला है ?
8. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज केदरनाथ धाम में किस प्रसिद्ध गुरु की प्रतिमा का अनावरण किया है ?
9. BCCI ने भारतीय क्रिकेट टीम का अगला कोच किसे नियुक्त किया है ?
10. पंजाब के पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कांग्रेस से इस्तीफा देकर अपनी नई पार्टी का ऐलान कर दिया है, उनकी पार्टी का नाम क्या है ?
11. साउथ इंडस्ट्री के किस सुपरस्टार अभिनेता का 46 वर्ष की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया है ?
12. फेसबुक कंपनी के सीईओ मार्क जकरबर्ग ने कंपनी का नाम बदलकर क्या कर दिया है ?
13. डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम आइलैंड पर भारत की परमाणु शक्ति संपन्न अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षा किया गया जिसकी रेंज 5000 किलोमीटर है, मिसाइल का नाम क्या है ?
14. किस प्रख्यात गांधीवादी नेता एवं चम्बल की धरती को डकैतों से मुक्त कराने वाले किस व्यक्ति को निधन हो गया है ?
15. राष्ट्रीय खेल पुरस्कार समिति ने मिताली राजए नीरज चोपड़ा सहित कितने खिलाड़ियों को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार 2021 के लिए नामित किया है ?

उत्तरमाला

(1) अलीगढ़ (2)आईआईटी मुंबई (3) संसद टीवी
(4) असम (5) चेन्नई (6) अमित त्रिवेदी
(7) सोजत, राजस्थान (8) आदि शंकराचार्य
(9) राहुल द्रविड़ (10) पंजाब लोक कांग्रेस
(11) पुनीत राजकुमार (12) मेटा (प्लेटफॉर्म- फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप का नाम वही रहेगा)
(13) अग्नि-5 (14) एसएन सुब्बा राव
(15) 11 खिलाड़ियों को

तीखी मिर्ची

विजय शर्मा
94142-39648

गरीबी और दिवाली

दीपावली का त्योहार लंका विजय के उपरांत राम के पुनः अयोध्या पधारने का उत्सव है। यह दिन लक्ष्मी पूजन व उसकी आराधना का त्योहार है। सुख-समृद्धि का त्योहार है। संपन्नता के आह्वान का त्योहार है। दिवाले के प्रस्थान की कामना का त्योहार है। कहते हैं, दिवाली की रात लक्ष्मी जी घर आती हैं, इसलिए लक्ष्मी को रिझाने का त्योहार है। इस दिन पूरे आंगन को उजला करके अपने अपने सामर्थ्य के अनुसार भक्तों द्वारा लक्ष्मी का आह्वान किया जाता है।

गरीब अपना घर लीपकर घर के बाहर कुमकुम से हाथ के थापे लगाता हैं। कहीं आड़ा तिरछा स्वास्तिक भी उकेरता है। सब्जी बनाने के थोड़े से तेल में से कुछ तेल बचाकर घर की देहली पर दो मिट्टी के दीये जलाता है और लक्ष्मी जी के आगमन की बाट जोहता है। वहीं अमीर अपनी प्राप्त लक्ष्मी का प्रदर्शन कर रोशनी की चकाचौंध से घर को जगमगाता है। घर में लक्ष्मी पूजन पर प्रोपर्टी के कागज, सोने चांदी के आभुषण और नोटों का ढेर लक्ष्मी के सामने रखकर लक्ष्मी की चापलुसी करता है। लक्ष्मी जी भी पूंजीपति को ही पसन्द करती है और उनके घर ही वास करती है। बेचारा गरीब इस दिन लक्ष्मी के इन्तजार में पलक पावड़े बिछाता रह जाता है, मगर लक्ष्मी हैं कि आने को कभी तैयार नहीं होती है।

लक्ष्मी का स्वभाव बड़े घर की बेटी जैसा है, जो गरीब को कुछ समय के लिए अपने प्रेम पाश में जकड़ तो लेती है, मगर उसका कभी वरण करने को तैयार नहीं होती है। गरीब अपने घर बैठकर यह गाना गाता रहता है, 'चांदी की दिवार न तोड़ी, प्यार भरा दिल तोड़ दिया, एक धनवान की बेटी ने निर्धन का दामन छोड़ दिया।' मगर यह बडे घर की बेटी लक्ष्मी निर्धन के आंसुओं का सम्मान कभी नहीं करती है। निर्धन दिन रात लक्ष्मी की चाह में हाड़तौड़ मेहनत करता है। अमावस्या की घनी अंधेरी रात की तरह फैले अपने जीवन के अंधेरों से लड़ने के लिए लक्ष्मी की चाह में गरीब अपने खून पसीने को तेल बनाकर दीया जलाता है और जीवन में रोशनी की उम्मीद करता है, मगर गरीब के ये दीये भी लक्ष्मी को रिझाने में सफल नहीं हो पाते हैं।

कहा जाता है, लक्ष्मी स्वभाव से चंचल है, जिसे एक ही स्थान पर ज्यादा दिन रहना पसंद नहीं है। सामान्य लोगों के यहां यह कभी कभार शक्ल दिखाकर लौट जाती है, मगर जमाखोरी करने वाले, नकली माल बेचने वाले व्यापारी, रिश्वतखोर अफसर, बैंक लूटने वाले अपराधी, टैक्स चोरी करने वाले पूंजीपति और घोटालेबाज नेताओं से लक्ष्मी के सदा निकट संबंध रहे हैं। लक्ष्मी इन धन कुबेरों के यहां लम्बे समय तक निवास करती हैं।

लक्ष्मी बुलाने से नहीं आती है। लक्ष्मी को लाना एक हुनर है, जिसे लोगों को चूना लगाना आ गया, लक्ष्मी जी उनकी हो गई। देश की सम्पत्ती में अरबों रूपए का घोटाला करने वाले और जो लोग अरबों-खरबों बैंकों से लेकर विदेश चंपत हो गए, बैंक जिनकी बदौलत दिवालिया हो गए, लक्ष्मी जी उनके यहां विराजमान हैं।

लक्ष्मी को प्रसन्न करने में कुशल वे ही लोग हैं, जिनके पास कौशल है चूना लगाने का, बेईमानी करने का, नैतिकता, ईमान, मूल्यों का धंधा करने का, लालच की पराकाष्ठा को छूने का। जो स्वार्थ, मतलब और मौकापरस्ती की नाव लेकर निकल पड़े हैं, उनके मार्ग पर लक्ष्मी जी सदैव सोने चांदी के सिक्के खनखनाती रहती है और सच्चाई की राह पर चलने वाले अक्सर लक्ष्मी के अनुराग से वंचित रह जाते है।

लक्ष्मी जी हमारे देश की सरकार की तरह है। गरीब के घर में टंगी तस्वीर में भी लक्ष्मी जी सिक्के बिखराती हुई दिखाई देती है, मगर वो सिक्के नेताओं के सपने की तरह काल्पनिक ही बने रहते हैं। सरकार की योजनाएं गरीब के घर की रोशनी के लिए बनती तो है, मगर असल में इन योजनाओं से नेताओं के महल ही रोशन होते हैं और गरीब के घर दीया जलाने का तेल भी नहीं होता है। सिर्फ होता है जीवन की ठोकरों के बाद आंखों का बहता खारा पानी, जिससे दीया कभी नहीं जलता है और सदैव अंधकार ही उसके हिस्से आता है। सियासी सपनों की तरह ऊंची ऊंची मंजिलों पर चमकती रोशनी देखकर गरीब मन बहलाता है और दिवाली की रात गुजर जाती है। रह जाता है, तो सिर्फ चुनावी वादों में बजते भोंपू की तरह कान फोड़ने वाला पटाखों का शोर, आसमान तक फैला धुआं और उसके बाद सन्नाटा।

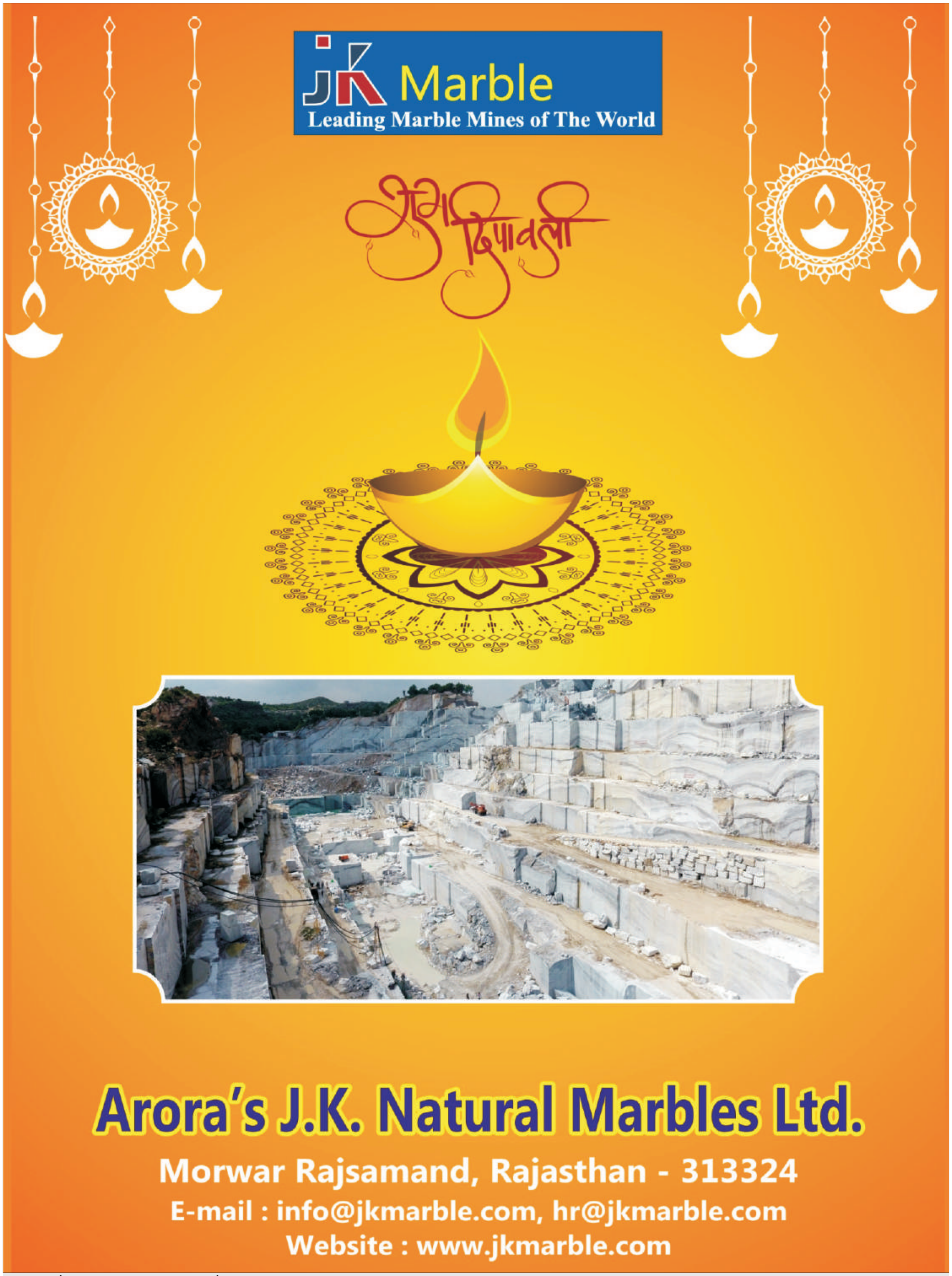
JK Marble
Leading Marble Mines of The World
शुभ दिपावली
Arora's J.K. Natural Marbles Ltd.
Morwar Rajsamand, Rajasthan - 313324
E-mail : info@jkmarble.com, hr@jkmarble.com
Website : www.jkmarble.com

समस्त क्षेत्रवासियों को

प्रकाश पर्व दीपावली

की हार्दिक शुभकामनाएं...

श्रीमती रेखा गमेती
सरपंच

श्रीमती शांता डांगी
उपसरपंच

पिंकी गहलोत-ग्राम विकास अधिकारी

वार्डपंच :- सीता गमेती, गिरजा डांगी, प्रकाश डांगी, खेमराज तेली, अम्बालाल गमेती, हिम्मतसिंह, अमरी बाई, उम्मेद कुंवर, तुलसीराम डांगी, खुमालाल गमेती एवं समस्त ग्रामवासी

अपील :- राजस्थान सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा जारी कोरोना गाइडलाइन का पालन अवश्य करें। वैक्सीन लगवाएं, मास्क का प्रयोग करें। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) : चलो चलें एक काम करें-गंदगीमुक्त हर गांव करें। बीमारी फैलाये कचरा और गंदा पानी, प्रबंधन से सुखी होगी हमारी जिन्दगानी

ग्राम पंचायत बिलोता, पंचायत समिति देलवाड़ा

दीपोत्सव की समस्त जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

राजसमंद सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लिमिटेड, राजसमंद

उचित दाम | **अच्छी गुणवत्ता** | **शुद्धता की गारंटी**

जिले में सहकारी दवाघर

आरके जिला अस्पताल, कमला नेहरू अस्पताल कांकरोली
सिटी डिस्पेंसरी राजनगर, गोवर्धन सामान्य अस्पताल नाथद्वारा
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र आमेट
देवगढ़, भीम, कुंभलगढ़, रेलमगरा खमनोर

सदस्यों को 1 फीसदी छूट

आलोक चौधरी-महाप्रबंधक

राजसमन्द सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लिमिटेड राजसमंद

झिलमिल दीपों की आभा से प्रकाशित यह दीवाली
आपके घर आंगन में
धन-धान्य सुख-समृद्धि और ईश्वर का
अनंत आशीर्वाद लेकर आए शुभ दीपावली

-:शहरवासियों से अपील:-

◆ मास्क पहने रखें ◆ नो मास्क नो एंट्री ◆ खांसी, जुकाम होने पर नजदीक की स्वास्थ्य केन्द्र पर जावें ◆ कचरे को कचरा पेटी में ही डालें ◆ कागज, प्लास्टिक की बोतले, धातु के डिब्बे, कांच आदि अलग-अलग पात्र में डाले ◆ सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फेंके ◆ दीपावली समारोह के उपरान्त रात्रि सफाई करना ◆ प्रशासन शहरों के संग अभियान का पूरा लाभ उठावें 01 भू-उपयोग परिवर्तन 02 भूखण्डों का उप विभाजन 03 स्टेट ग्रान्ट के पट्टे 04 अधिसूचि कच्ची बस्ती के पट्टे 05 नाम हस्तान्तरण आदेश 06 खाचां भूमि का आवंटन 07 नगरीय विकास कर की राशि जमा करा छूट का लाभ प्राप्त करें उक्त समस्त योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करें। अपने घरों एवं आस पास गन्दा पानी एकत्रित न होने दे।

प्रतापसिंह भाटी
अधिशाषी अधिकारी

हाजी मीरू खां मंसूरी
उपाध्यक्ष

कैलाश मेवाड़ा
अध्यक्ष

राधेश्याम खटीक, चिंकी उर्फ पिंकी, प्रकाश खटीक, दिनेश लक्षकार, प्रमोद शाकद्वीपीय, प्रकाश पालीवाल, सुरेश खीची, जया कंवर राठौड़, नीलम टेलर, चन्द्रीका टेलर, रेखा लौहार, नीलम मेवाड़ा, टीना खटीक, रमण कंसारा, दिनेश सरणोत, राजेन्द्र जैन, ललित मेवाड़ा, जितेन्द्रसिहं पंवार, हेमलता रेगर, मांगीलाल रेबारी, पूनम पालीवाल, मुकेश रेगर, वरदुलाल कुमावत
मनोनित पार्षद : श्यामु कुमारी लौहार, ताहिर अली, जगदीश बुनकर, संदीप हिंगड़

कार्यालय नगर पालिका आमेट, जिला-राजसमंद

जयवर्द्धन NEWS

राजसमंद जिले की ताजा खबरों के लिए देखिए
YouTube Channel Jaivardhan News

दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

सोनी मार्बल मोरवड़

शुभदीपावली

छोटी मोरवड़ (पिपलांत्री), जिला-राजसमंद

दीपोत्सव
की हार्दिक शुभकामनाएं

जे.के. टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड

जे.के. ग्राम कांकरोली (राज.)

JK TYRE & INDUSTRIES LTD.

राजसमंद जिले की ताजा खबरों के लिए देखिए

जयवर्द्धन NEWS

YouTube Channel Jaivardhan News

झिलमिल दीपों की आभा से प्रकाशित यह दीवाली
आपके घर आंगन में
धन-धान्य सुख-समृद्धि और ईश्वर का
अनंत आशीर्वाद लेकर आए शुभ दीपावली

-: नगरवासियों से अपील:-

◆ मास्क पहने रखें ◆ नो मास्क नो एंट्री ◆ खांसी, जुकाम होने पर नजदीक की स्वास्थ्य केन्द्र पर जावें ◆ कचरे को कचरा पेटी में ही डालें ◆ कागज, प्लास्टिक की बोतले, धातु के डिब्बे, कांच आदि अलग-अलग पात्र में डाले ◆ सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फेंके ◆ दीपावली समारोह के उपरान्त रात्रि सफाई करना ◆ प्रशासन शहरों के संग अभियान का पूरा लाभ उठावें 01 भू-उपयोग परिवर्तन 02 भूखण्डों का उप विभाजन 03 स्टेट ग्रान्ट के पट्टे 04 अधिसूचि कच्ची बस्ती के पट्टे 05 नाम हस्तान्तरण आदेश 06 खाचां भूमि का आवंटन 07 नगरीय विकास कर की राशि जमा करा छूट का लाभ प्राप्त करें उक्त समस्त योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करें। अपने घरों एवं आस पास गन्दा पानी एकत्रित न होने दे।

अशोक टांक अध्यक्ष	चुन्नीलाल पंचोली उपाध्यक्ष	जनार्दन शर्मा आयुक्त

कार्यालय नगर परिषद, राजसमंद

शुभ दीपावली

विकास दवे
सरपंच

भगवान सहाय
ग्राम विकास अधिकारी

कोरोना वायरस से बचाव के लिए सरकार द्वारा दिए जा रहे दिशा-निर्देशों का पालन करें। क्योंकि इस वायरस से बचने का मास्क व सोशल डिस्टेन्स ही एक मात्र उपाय है।

सौजन्य :- पप्पुदास, कुलदीपसिंह संजय टेलर, जीतूसिंह, सीताराम, सोनू तिवारी, केसु भाई सिंघवी, सोहन सुथार एवं समस्त मित्रगण

ग्राम पंचायत सैवंत्री, पंचायत समिति कुंभलगढ़, जिला राजसमंद

चन्द्रभानसिंह चुण्डावत
सरपंच

दीपोत्सव पर समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

कोरोना वायरस के लक्षण :- बुखार, खांसी, सांस लेने में तकलीफ
सावधानिया :- नियमित रूप से साबुन से हाथ धोएं, छींकते और खांसते समय नाक, मुंह ढकें और अलग कमरे में सोयें, जिस व्यक्ति को खांसी या बुखार के लक्षण हो उससे दूरी बनायें पंचायत को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें, सिंगल युज प्लास्टिक का उपयोग न करें।

आपका वोट सहयोग देगा एक सुदृढ़ भारत निर्माण में, अपना फर्ज निभाएं मतदान करने जरूर जाएं।

शंभूसिंह रावत-उप सरपंच,
वार्डपंच :- छगनीदेवी, भीमाराम भील, जसवन्तलाल खटीक, कंवरीदेवी, भोलीदेवी, सवाईराम गुर्जर, जग्गूसिंह, जमनादेवी, कमला कुंवर, लालीदेवी

ग्राम पंचायत जीरण, पंचायत समिति देवगढ़

दीपावली व नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

शक्ति जनरल स्टोर

पाठ्य पुस्तकें, शक्ति कॉपियां, स्कूल व ऑफिस स्टेशनरी, होजरी, कॉस्मेटिक्स एवं जनरल सामग्री हेतु आपकी सेवार्थ समर्पित।

शक्ति उद्योग
शक्ति कॉपियां एवं स्टेशनरी के निर्माता
रेल्वे स्टेशन रोड, कांकरोली राज.
मो. 9413021510

शक्ति एजेन्सीज
पुस्तकों एवं स्टेशनरी के होलसेल विक्रेता
शास्त्री मार्केट, कांकरोली
फोन नं. 02952-222810

अंकुर डेंटल क्लिनिक
रेल्वे स्टेशन रोड, कांकरोली राज.
मो. 9413975510

राजसमंद का उत्कृष्ट उत्पादन - हर विद्यार्थी की पहली पसन्द : शक्ति कॉपियां

समस्त जिलेवासियों को दीपोत्सव
की हार्दिक शुभकामनाएं
रामनारायण पालीवाल
अध्यक्ष-पर्यावरण विकास संस्था
पर्यावरण विकास संस्था एवं सदस्यगण
मार्बल माइंस ऑनर्स एसोसिएशन
एवं समस्त सदस्यगण–राजसमंद
गौरवसिंह राठौड़
अध्यक्ष-मार्बल माइंस ऑनर्स एसो.

समस्त जिलेवासियों
को दीपोत्सव की
हार्दिक शुभकामनाएं
नानालाल सार्दुल
अध्यक्ष
जिला मार्बल कटर एसोसिएशन, राजसमंद

समस्त जिलेवासियों को दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं
रवि शर्मा
अध्यक्ष
मो. 9414174601
संजय सामसुखा
महासचिव
मो. 9414174247
रजनीश वागरेचा
कोषाध्यक्ष
मो. 9414174267
गोवर्धन लड्ढा
उपाध्यक्ष (पसून्द रोड)
मो. 9829253115
पुष्कर श्रीमाली
उपाध्यक्ष (नाथद्वारा रोड)
मो. 9414173884
ललित बोहरा
उपाध्यक्ष (आमेट रोड)
मो. 9414232206
समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यगण मार्बल गैंगसा एसोसिएशन, राजसमंद

मेवाड़ जैसा कोई नहीं

मेवाड़ जैसा प्रदेश विश्व में न कोई और,
यदि कोई ऐसा हो तो हमें भी दिखाइए।

पन्ना, हाड़ी, कर्णवती, मीरां और पद्मिनी सी,
त्याग की कहानी और हमें भी सुनाइए।

श्रीनाथ, चारभुजा, द्वारकाधीश का नगर,
ऐसी पुण्य भूमि हो तो हमें भी बताइए।

टेराकोटा, पिछवाई और मीनाकारी जैसी,
ऐसी कर्म भूमि हो तो हमें भी जताइए।।

मेवाड़ जैसा कोई प्रदेश न मिलेगा दूजा,
हल्दीघाटी को ये शीष झुकता है देखिए।

देखो अरावली छटा गाए गुण गान यहां,
गौमती, बनास नीर बहता है देखिए।

तीज, त्योहार और करे गणगौर सवारी,
घेर.घूमेर घूमर घूमता है देखिए।

पीली-पीली सरसों हैं देखो गेहूं की ये बाली,
खलिहानों में ये मन झूमता है देखिए।।

श्रीमती प्रेम कुमावत
भाणा, कांकरोली

हमारे छोटे छोटे प्रयास

दूसरों में कमी ढूंढ़ने के बजाय
हम पहले खुद में करें सुधार
दूसरा हमें बहुत अच्छा कहे
हम ख़ुद से करने लगें प्यार...

दूसरों को भाषण देने के बजाय
सर्वप्रथम हम स्वयं ही अमल करें
शायद! हमारे छोटे छोटे प्रयास से
एक नए कार्य का होगा सृजन
एक नई दिशा में करें चिंतन मनन
वास्तव में ऐसा हमारे करने से
परिवर्तन की बहेगी बयार...

सकारात्मक मार्ग का होगा नव संचार
चारों तरफ खुशियां ही खुशियां होंगी
और महक उठेगा हमारा घर संसार
जीवन में सदैव ही कुछ नया करने को
शुद्ध मन से हम करें विचार
असत्य का कभी न करें करार

निश्चित ही जीवन में हमें
मिलेगी विजय, कभी न होगी हार...

भले ही कभी वक्त अच्छा न हो
तो अनेक कठिनाइयों का
हमें करना पड़े सामना
पर यदि हम जुटे रहे
तो अपने लक्ष्य पर करेंगे प्रहार
और हमें मिलेगी सफलता
जीवन में ख़ुशियों की होगी बहार...

लाल देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
कैतहा, भवानीपुर बस्ती, (उत्तरप्रदेश)
मो. 7355309428

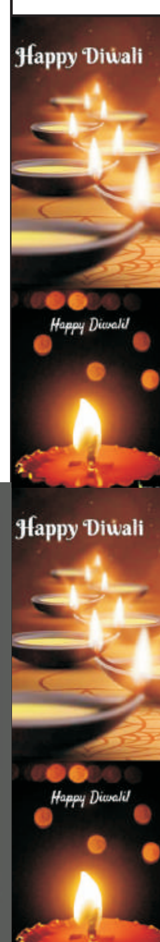

मेवाड़ उप चुनाव 2021

धनतेरस पर जनता ने, कांग्रेस के सिर सजाया जीत का ताज।
वल्लभनगर धरियावद चुनाव, रिजल्ट बना एक नई आवाज।।
पक्ष विपक्ष और बागियों के बीच में, हो गया फैसला ज्यादा व कम।
मेवाड़ की जनता ने बता दिया, कांग्रेस में मिठास भाजपा में कम।।
चुनाव परिणाम की पूर्व संध्या तक, सभी लगा रहे जीत के दाव।
कांग्रेस पक्ष में आया जीत का परिणाम, बाकी दौड़े फिर उल्टे पांव।।
मेवाड़ की जनता ने इस बार, अच्छे अच्छे राजनीतिज्ञों को उलझाया।
कोन जीतेगा कोन हारेगा, अंतिम समय तक समझ नही आया।।
मेवाड़ उपचुनाव का परिणाम देखो, आज अप्रत्याशित है आया।
चौथे स्थान पर खिसकेगी भाजपा, किसी के मन को नही भाया।।
वल्लभनगर में आर एल पी, धरियावद में बीटीपी बनी आफत।
एक सीट जीती नगराज नेए दूसरी सीट पे जीती प्रीति शक्तावत।।
टिकिट वितरण में दोनो सीट पे, भाजपा ने खुद को खुद ही खोया।
वर्चस्व की लड़ाई बनाके नेताओ ने, मिलकर भाजपा को डुबोया।।
नेताओ ने कहा जीतेगी भाजपा, देश में हमारी बनी हुई साफनीति।
फैल किया मतदाताओं ने नीति को, मेवाड़ में जीते नगराज प्रीति।।

सम्पत उजाला
पत्रकार, बोईसर मुंबई कवि आमेट मेवाड़

राजसमंद जिले की खबरों से अपडेट रहने के लिए सब्सक्राइब करें
YouTube Channel
Jaivardhan News

जगमग आज सारा जहां हैं

जगमग आज सारा जहां हैं
रोशन करने आई दीपावली।
कहीं रौनक, कहीं हर्षोल्लास,
खुशियों की सौगात लाई दीपावली।

किसी के घर खुशियों के मेले,
फिर कुछ चेहरे उदास क्यों हैं ?
कुछ घरों में हैं रौनकें सारी,
फिर कुछ बैठें हताश क्यों है?

माना परिणाम से टूटी है हिम्मतए
फिर भी उम्मीदें बिखरी तो नहीं।
माना अहम बहुत था ये अवसर,
लेकिन ये अब आखिरी तो नहीं।

सच ही कहा हैं किसी ने किए
हारा वहीं है जो लड़ा नहीं।
गिरा वहीं असफलता के तल पर,
जो उठकर फिर खड़ा नहीं।

चाहे उम्मीदें टूटे या बिखरे
करों कोशिश ले लो एक संकल्प नई।
हार मान कर आस तोड़ देना,
आखिर ये तो कोई विकल्प नहीं।

चलते चलते थकना गिरना,
लेकिन हिम्मत हार के टूट ना जाना।
किस्मत गर रूठी भी हैं तुमसे,
तुम मेहनत से रूठ ना जाना।

मत हो तू इस तरह हताश,
कर फिर एक ओर प्रयास,
टूटी हैं हिम्मत इस बार,
रख फिर भी आत्मविश्वास।

क्या हुआ जो इस बार सफलता हाथ नहीं,
क्या हुआ जो आज कुछ अपने साथ नहीं।
एक असफलता से ही घबराकर,
यूं हताश हो जाना, ये तो सही बात नहीं।

पद पैसा नाम शोहरत हिस्सा है सिर्फ,
जीवन में अधूरा पूरा कुछ नहीं,
संघर्षों से घबराकर मौत को गले लगाना,
ये बेहद गलत है और इससे बुरा कुछ नहीं।

अन्नू राठौड़
राजसमंद

प्यार मेरा कम न मानें

उजाले के इस पर्व सम्मुख,
प्यार मेरा कम न मानें।

दीप जलते
कुछ घड़ी गिन- गिन
या कुल मिलाकर पांच दिन।

नेह रखते
कुछ दीप भर-भर,
या कुल मिलाकर पांच गिन।

प्रदीप्त हूं प्यार में निरन्तर,
नेह मेरा कम न जानें।
उजाले के इस पर्व सम्मुख,
प्यार मेरा कम न मानें।।

आग रखती
वर्तिका उजली,
जली तो एक सीमा में।

नेह सीमित
है देह भी त्यों,
है दीप्त एक सीमा में।

जल रहा हूं बोध पाकर भी,
यह दीपन कम न ध्यानें।
उजाले के इस पर्व सम्मुख,
प्यार मेरा कम न मानें।।

जीत का यह
है पर्व नैतिक,
लिख रहे हैं लेखक कई।

संघर्ष में
जो ढल गए वे,
बात कहते लेखक नई।

लिख- गा रहे जलते हुए भी,
नव्यता यह कम न ठानें।
उजाले के इस पर्व-सम्मुख,
प्यार मेरा कम न मानें।।

भरती रही
हर नव्यता ही
जिंदगी पूरा उजाला।

नेह में हो
घट का छलकना,
देह का वहीं हो उबाला।

तेरे लिए ही रज छानता हूँ,
कंकड़ों को कम न छाने।
उजाले के इस पर्व- सम्मुख,
प्यार मेरा कम न मानें।।

यह दीपन
सबके लिए है,
तेरे लिए उसके लिए।

प्रज्ज्वलन भी
सबके लिए है,
नृप के लिए जन के लिए।

संघर्ष चलता मूल्य रखता,
कहना नहीं दो न आने।
उजाले के इस पर्व- सम्मुख,
प्यार मेरा कम न मानें।।

विश्वास है
लेती रहे भी,
जिंदगी पूरा उजाला।

नेह में हो
घट का छलकना,
देह का वहीं हो उबाला।

तेरे लिए ही रज छानता हूं,
कंकड़ों को कम न छाने।
उजाले के इस पर्व- सम्मुख,
प्यार मेरा कम न मानें।।

त्रिलोकी मोहन पुरोहित
गीतकार, कथाकार एवं समालोचक,
कांकरोली, राजसमन्द
9414174179, 8955371012

पुस्तक समीक्षा

जवान सिंह सिसोदिया ने अपनी कहानियों में ढूंढ लिए 'अपने पराए'

कहानियां लिखने में विलक्षण बुद्धि की आवश्यकता होती है घटनाओं के विस्तार को कम से कम शब्दों में हुबहू वैसा का वैसा समेटना वर्णन करना कहानीकार की लेखनी का जादू होता है जो पाठकों को बांधे रखता है और गागर में सागर का आभास दिलाता है। राजसमंद क्षेत्र के नाथद्वारा निवासी श्री जवान सिंह सिसोदिया का कहानी संग्रह अपने पराए में समसामयिक ऐसी ही सामाजिक सरोकारों को झकझोर देने वाली 27 कहानियां है जो समाज में व्याप्त विभिन्न समस्याओं की और पाठकों का ध्यान खींचने में सफल रही है। जवान सिंह जी सिसोदिया वैसे तो राजस्थानी भाषा के एक सफल साहित्यकार है राजस्थानी भाषा में आपके कई आलेख और कहानियां प्रांत की विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चर्चित हो चुकी है। विशेष रुप से दैनिक भास्कर में 'मेवाड़ी गोखड़ा' कॉलम में आपकी राजस्थानी कहानियां बहुत ही सराही गई और पाठकों द्वारा पसंद की गई पर राष्ट्रभाषा हिंदी में आपका कहानी संग्रह 'अपने पराए' का प्रकाशन आपके राजभाषा प्रेम वह राष्ट्रप्रेम को दर्शाता है। जवान सिंह जी एक अच्छे शिक्षक, मंजे हुए चित्रकार और कुशल नाटककार के साथ-साथ कवि और कहानीकार भी। इतनी कलाओं का अद्भुत संगम आपके व्यक्तित्व को निखारे हुए हैं।

'गांव की लाली'कहानी में लाली का किरदार सचमुच एक आदर्श प्रस्तुत करता है नारी की लगन सहनशीलता और आगे बढ़ने की प्रेरणा इस कहानी में है । 'बेटी का घर' कहानी भी बहुत कुछ संदेश देती है 'मूंछ का मूल्य'भी आत्म सम्मान को दर्शाता है। 'जूता मारने के बाद पंडित भगतराम' और 'राधा' कहानियां भी मन को भाती है और 'मन में टीस किसके साथ' बहुत कुछ सोचने पर मजबूर करती है। 'भोपा' कहानी समाज में व्याप्त अंधविश्वास को उजागर करती है। 'प्रेम बाबू', 'धंधे की बात' और 'विधवा' कहानियां बहुत कुछ सोचने को मजबूर करती है। 'शिक्षक, ठग, मृत्यु भोज' और 'पत्नी' कहानियां समाज में व्याप्त विभिन्न पहलुओं को उजागर करती है तो 'तांत्रिक सपना टूटा'

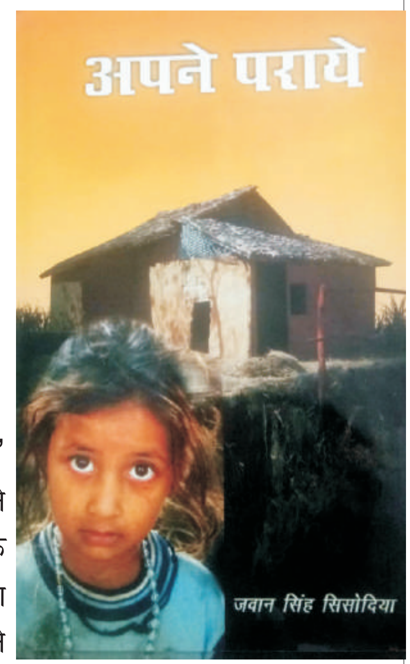

और 'रास्ते वाला गांव' कहानियां मन को छू लेने वाली है। पुस्तक शीर्षक कहानी 'अपने पराए' देवला और उसके काका के अपने पराए रिश्तो को दर्शाती एक अच्छी कहानी है। जिसमें भैराबा के किरदार ने एक आदर्श कहानी का रूप दिया है ।

साहित्य जगत में इस कहानी संग्रह का उचित मूल्यांकन होगा और कहानीकार जवान सिंह सिसोदिया को उस मूल्यांकन से उत्साहित होकर और भी अच्छी अच्छी कहानियां लिखने और पाठको को उन कहानियों को पढ़ने का सू अवसर मिलेगा।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ।

अफ़ज़ल खां अफ़ज़ल
वरिष्ठ साहित्यकार
जलचक्की, राजसमंद

जयवर्द्धन NEWS
राजसमंद जिले की ताजा खबरों के लिए देखिए
YouTube Channel Jaivardhan News

यूपी चुनाव के समीकरण

आबादी के दृष्टि से सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव-2022 के लिए सभी राजनीतिक दल मैदान में आ चुके हैं। लोकसभा की 80 सीट देने वाला प्रदेश का चुनावी परिणाम यूपी के साथ राष्ट्रपति और 2024 के लोकसभा के चुनाव का भविष्य भी तय करेगा। सटीक शब्दों में कहूं तो यूपी चुनाव का परिणाम देश की दिशा और दशा दोनों तय करेगा। वैसे तो यूपी विधानसभा चुनाव सभी दलों के लिए चुनौतीपूर्ण रहेगा पर जैसे क्लास के टॉपर पर परीक्षा पास करने के साथ शीर्ष पर रहने का अतरिक्त दबाव भी होता है ठीक उसी प्रकार सत्तारूढ़ पार्टी पर पुन: सत्ता में लौटने का अतरिक्त दबाव होगा, जो उसके पांच वर्षों में किए गए कार्य तय करेंगे।

यूपी के सत्तारूढ़ पार्टी बीजेपी द्वारा हिंदू आस्था के प्रतीक धर्म स्थल अयोध्या राम मंदिर निर्माण (भले ही राम मंदिर का निर्माण सुप्रीम कोर्ट के आदेश से हो रहा परंतु वास्तव में इस फैसले में बीजेपी पार्टी का महत्वपूर्ण योगदान है) के साथ-साथ प्राचीन धर्म नगरी बनारस में बाबा काशी विश्वनाथ और चित्रकूट में किये जा रहे विकास कार्यों पर एक विशेष वर्ग के वोट का लाभ तो मिलेगा ही पर इसके साथ दिन प्रतिदिन बढ़ रही महंगाईए बेरोजगारी, इत्यादि का खामियाजा भी उठाना पड़ सकता हैं। जैसा कि हम सब जानते है की योगी ने अपने इस पांच वर्षीय कार्यकाल में कोरोना जैसी महामारी में काफी मेहनत किया पर उनके इस मेहनत में उनके साथ उनके मंत्रिमंडल टीम के ज्यादातर सदस्य नदारद दिखे। जिसका खामियाजा हमने गंगा में तैरती हुई लाशे और आक्सीजन और दवा के कालाबाजारी के रूप में देखा सिर्फ यदि सरकारी आंकड़ों में बात करें तो सरकार यहां भी कामयाब दिखी पर धरातल के वास्तविकता पर गौर करेंगे, तो नजारे कुछ और ही दिखे थे।

सरकारी नौकरी में पादर्शिता, चिकित्सा के क्षेत्र में 59 नए अस्पताल, प्रदेश में पांच नए इंटरनेशनल एयरपोर्ट इत्यादि उपलब्धियों के साथ सरकार ने गुंडा-राज, भूमाफिया पर जितनी अपनी नकेल कसी रखी उतनी ही सरकार कानून व्यवस्था कायम करने में बेहाल भी दिखी। जिसका उदहारण हमने हाथरस में एक दलित लड़की के बलात्कार के बाद रातों रात उसके शव दहन कर मामले की लीपापोती, लखीमपुर में अन्नदाताओं को बेरहमी से कुचलना, व्यापारी मनीष गुप्ता की हत्या, पंचायत चुनाव में सरेआम एक नारी के चीरहरण का प्रयास इत्यादि रूप में देखें।

इन सब के साथ कहीं न कहीं बढ़ती महंगाई, निजीकरण, केंद्र सरकार के कृषि विधेयक कानून से किसानों की नाराज़गी (यूपी में खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में) इत्यादि मुद्दे को लेकर विपक्ष चुनावी लाभ लेने का भरपूर प्रयास करेगा और सरकार की इन मुद्दों पर विफलता उसके वोट बैंक के ग्राफको नीचे ला सकते है।

बात यदि विपक्ष की आती है तो यूपी में दमदार विपक्ष की भूमिका में समाजवादी जनता पार्टी (सपा) नजर आ रही है। महान दल और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के मुखिया ओमप्रकश राजभर यूपी में राजभर आबादी लगभग चार फीसदी परन्तु 403 विधानसभा सीटों में सौ से अधिक सीटों पर राजभर समाज का ठीक-ठाक वोट है। वाराणसी, जौनपुर, चंदौली, गाजीपुर, आजमगढ़, देवरिया, बलिया, मऊ सहित पूर्वांचल के अन्य कई जिलों के सीटों पर इनका वोट लगभग 18 से 20 प्रतिशत है जो किसी भी विधानसभा सीट के परिणाम को बदलने की हैसियत रखता है। अखिलेश यादव के पार्टी सपा के लिए सबसे बड़े सिरदर्द उनके चाचा शिवपाल यादव और बिहार विधानसभा में 5 सीट जितने वाली असदुद्दीन औवेसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) है। एक तरफ जहां शिवपाल सपा के मूल वोटों को प्रभावित करेंगे वही दूसरी तरफ औवेसी की पार्टी भी प्रदेश के 19 प्रतिशत मुसलमानों का एकाकीकरण नहीं होने देगी जो कभी कांग्रेस और सपा के मूल वोट हुआ करते थे। औवेसी ने लगभग सौं सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने की योजना बनाई है यदि ऐसा होता तो मुस्लिम वोट भी कई भाग में बट जाएगा। जिसका सीधा फायदा बीजेपी को और नुकसान सबसे ज्यादा

सपा को होगा। अत: यदि अखिलेश को मजबूती से मैदान में लड़ना है तो चाचा शिवपाल के घर (सपा में) वापसी के साथ-साथ औवेसी और रालोद दोस्ती भी रखनी होगी सुभासपा एवं महान दलों को साथ लेकर।

कभी प्रदेश के 20प्रतिशत दलित वोट पर एकछत्र राज्य करने वाली यूपी की चार बार सीएम रही मायावती आजकल सक्रिय राजनीति से नदारद दिख रही हैं। अब दलितों को कही न कहीं भीम आर्मी पार्टी बसपा की विकल्प के रूप में दिख रहा है, क्यूंकि उन्हें भी बसपा का गिरता राजनितिक ग्राफ दिख रहा है कि कैसे 2007 में विधानसभा में पूर्ण बहुमत वाली बसपा अब 19 सीटों पर सिमट गई। मायावती के बाद बसपा में दूसरे नंबर के नेता कहें जाने वाले सतीश मिश्रा इस बार फिर प्रदेश में 13 प्रतिशत ब्राह्मण को रिझाने कि पूरी कोशिश करेंगे पर अबकी सभी राजनीतिज्ञ दलों कि निगाहें ब्राहमण मतदाताओं पर टिकी है और येन केन प्रकारेण उन्हें अपने पक्ष में करने में जुटे है।

उत्तर प्रदेश को 6 ब्राह्मण मुख्यमंत्री देने वाली पार्टी कांग्रेस साल 1989 से उत्तर प्रदेश में सत्ता का वनवास झेल रही है, कांग्रेस महासचिव प्रियंका ने टिकट बंटवारें में ज्यादा से ज्यादा महिलाओं प्रत्याशियों को टिकट देने की बात और 'लड़की हूं-लड़ सकती हूं' के नारे बेशक महिलाओं में एक जोश भरेगा परंतु यूपी में कांग्रेस के जनाधार के आधार पर ये कह सकते है कांग्रेस सत्ता के लड़ाई में कहीं नजर नहीं आ रही हैं परंतु प्रियंका के सक्रिय होने से पिछले चुनाव के मुकाबले इस बार कांग्रेस के वोटों में कुछ प्रतिशत की बढ़ोतरी जरूर हो सकती है।

कुल मिलकर यूपी का विधानसभा चुनाव 2022 की मुख्य लड़ाई भाजपा और सपा के बीच ही होनी है। जहां सपा अपने सहयोगी दलों के साथ गठबंधन के बाद मजबूत नजर आ रही है वही भाजपा अकेले अपने दम पर इस लड़ाई में मजबूत टक्कर दे रही है, इसका एक कारण ये भी है की भाजपा की मार्केटिंग काफी अच्छी है, तभी तो आए दिन बढ़ती महंगाई के बाद भी बीजेपी जनता के बीच अपनी पकड़ और छवि बरकरार रखी है। अपने अनुभव के आधार पर इतना कहूंगा से कि हर बार की तरह इस बार भी उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में विकास से ज्यादा जाति-धर्म के समीकरण को ज्यादा प्राथमिकता दिया जायेगा।

अंकुर सिंह
हरदासीपुर, जौनपुर
उत्तरप्रदेश, .222129
मो. 8367782654, 8792257267

राजस्थान पत्रिका,
दैनिक भास्कर के साथ सभी
अखबारों में विज्ञापन
प्रकाशित कराने का एकमात्र स्थान
शक्ति एडवरटाइजिंग
सभी प्रकार की खेलकूद सामग्री मिलने का राजसमंद में एकमात्र स्थान
शक्ति स्पोर्ट्स
शास्त्री मार्केट, कांकरोली (राजसमंद)
94142-39648, 94144-73275

पहलवानी की अलख जगाने वाले उस्ताद ईन्दरसिंहजी जाट पहलवान

श्री द्वारकाधीश प्रभु की इस पावन नगरी कांकरोली राजसमंद को प्रभु का आशीर्वाद रहा है कि यहां भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर अपनी पीढ़ियों को गोरवान्वित कर स्वर्ग सिधार गये उन महापुरूषों के मार्ग पर चलने का सिलसिला सदियों से अनवरत चला आ रहा है। सांस्कृतिक, सामाजिक और खेलों के क्षेत्र में कांकरोली ने अपनी अमिट छाप छोड़ी है ।खेल के क्षेत्र में हॉकी और कुश्ती दंगल में मेरे गांव कांकरोली का प्रांत में ही नहीं अपितु राष्ट्रीय स्तर तक नाम रहा है।

हम आपको हॉकी के कई स्व. खिलाड़ियों स्व. श्याम-किशन की जोड़ी तो स्व. मोहनजी, भगवानदासजी, परसरामजी कलोसिया जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के बारे में पिछले अंकों में जानकारी दे चुके हैं ।आज हम कुश्ती के क्षेत्र में इस गांव के कुश्ती के भीष्म पितामह स्व. इन्दरसिंहजी उस्ताद के बारे में बताने जा रहे हैं । मैं और श्री फतेहलालजी अनोखा जब इन्दरसिंहजी के बारे में जानकारी प्राप्त करने उनके पौते और पड़-पौते श्री छन्नुसिंह एवं मुरलीधरजी जाट पहलवान से मिले तो उन्होंने उनके बारे में बताया कि आज से लगभग 100 साल पहले इस धरती पर स्व. इन्दरसिंह जी पैदा तो नहीं हुए पर कांकरोली द्वारकाधीश मन्दिर की माजी महाराज पदमावती जी इन्दरसिंहजी को अपनी वृन्दावन मथुरा यात्रा के दौरान उनके कुश्ती कौशल से प्रभावित हो उन्हें कांकरोली लेकर आयी और बस वे कांकरोली के ही होकर रह गये। आज भी उनकी संतानों की संताने इस गांव में निवास कर कुश्ती को बढ़ावा देने और कुश्ती लड़ने का खेल नये अखाड़े पर खेल रहे हैं ।

स्व. इन्दरसिंहजी जाट गांव पानी जिला मथुरा (उ.प्र.) के एक छोटे से गांव में पैदा हुए थे। माता-पिता के आशीर्वाद और अपनी लगन के बल पर उन्होंने कुश्ती में माहिरता हासिल कर आस-पास के क्षेत्रों में अपना नाम कमा लिया था। मथुरा में रिफाइनरी के पास नया पुल पार कर पानी गांव जाया जाता है, पानी गांव वृन्दावन के पीछे ही बसा हुआ है। कहें तो यमुना नदी के उस पार वृन्दावन तो इस पार पानी गांव है। बचपन से ही उन्हें व्यायाम का शोक था, अखाड़े में जोर आजमाईश और कुश्तीयां लड़ना ही उनकी दिनचर्या थी।

उस समय भरतपुर के राजा के दरबार में कारे पहलवान का बड़ा नाम था जिनका वजन 160 किलो और लम्बाई 7 फीट की थी, उनके सान्निध्य में अनोखे पहलवान और फूली पहलवान भी उस समय के बड़े नामी गिरामी पहलवान थे। गांव अनजान और कुमतारा में उस समय एक मेले का आयोजन होता था और उसमें कुश्ती दंगल

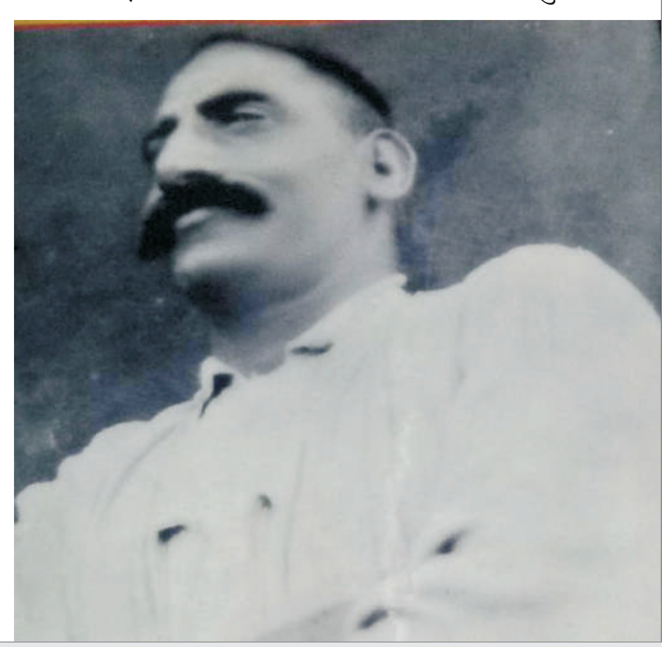

का आयोजन भी किया जाता था। कई नामी गिरामी पहलवान उस दंगल में भाग लेते ।स्व. इन्दरसिंहजी भी इन्हीं बड़े बड़े पहलवानों के साथ भाग ले अपनी श्रेष्ठता की छात्र छोड़ चुके थे बस यहीं माजी महाराज पदमावती की निगाह उन पर पड़ी और वे उन्हें कांकरोली लेकर आई, कांकरोली में माजी महाराज ने गौशाला खिड़क के सामने उन्हें रहने को मकान दिया और व्यायाम करने का अखाड़ा बनाने की जमीन भी दी जो आज भी नया अखाड़ा के नाम से कांकरोली में एक उत्कृष्ट व्यायाम शाला है जहां आज भी नोजवान बच्चे कुश्ती कला सिखते हैं, इस व्यायाम शाला से भी कई अच्छे-अच्छे पहलवान बनकर कुश्तीयां लड़ कांकरोली का नाम रोशन कर चुके हैं ।

स्व. इन्दरसिंहजी ने जब नये अखाड़े में व्यायाम शाला प्रारम्भ कर दी तो गांव के कई नोजवान आपस में कुश्ती के गुर सिखने अखाड़े पर आने जाने लगे । श्री सुन्दरलालजी जाट, श्री नाथुलालजी जाट उनके प्रमुख शिष्यों में थे, इसके अलावा श्री गोविन्दजी, दामोदरजी सनाढ्य, लीलाधरजी गोरवा, दामोदरजी गोरवा, श्री किशनजी जाट, जसवन्तजी गुर्जर, राधेलालजी सनाढ्य, रामलालजी गुर्जर, दाम-सुदामजी गुर्जर, ओमसिंहजी, दुधगिरिया, भेरजी गुर्जर, श्री माणकलालजी गुर्जर आदि-आदि अनेकानेक पहलवान तैयार हुए जिन्होंने उदयपुर दरबार के सामने जेठियों के अखाड़े पर अपनी कुश्ती कला का जानदार प्रदर्शन कर कांकरोली गांव के नाम को रोशन किया ।

भारत के कई नामी-गिरामी पहलवान कांकरोली में आयोजित कुश्ती दंगल में भाग लेने आते। खिड़क और नये अखाड़े पर कुश्तियां होती और पहलवान कांकरोली के पहलवानों का लोहा मानकर चले जाते। कई सालों तक ये दौर यूं ही चलता रहा। कांकरोली के एक महान कवि घनश्याम प्यारे सनाढ्य ने नये अखाड़े के उस्ताद स्व. इन्दरसिंहजी चौधरी का वर्णन निम्नांकित कवित्तों में किया है ।

(1)

सावन में सोझ समै संझा फूलबे की बेर,
निकसी सुलभ घन हँस्यो देख न्यारे सूं ।
'घनश्याम' ताके पास छहरी छटा की पॉत,
छूटे फिर जलधारे मंतरा मतवारे के ।।
रेल जैसे अंजन पे तड़ित तड़प जात,
धनुष दिखात पचरंग रंग धार ते ।
धन्य कांकरोली, राय सागर तिहारी पाल,
बहार बंगला की है या इन्द्र के अखारे से ।।

(2)

ठोक भुजदंड कला जंग पे उठाये लेगा,
हड्डी टूट जाय, जैसे भूत के पछाड़े में ।
'घनश्याम प्यारें' अक्कड़ गजराज जैसी,
रह्ल लग जायेगी रे टह्ल-मह्ल राड़े में ।।
धरन डिगैगी तेरी बरन बताऊ बात,
कर न सकेगो कछु ज्यादा जोर जाड़े में ।
मूल मंत्र ये है, चूल माता ते चल्यो जइयो,
भूल मत अइयो, कभी इन्द्र के अखाड़े में ।

इसी तरह व्यायामशाला नया अखाड़े में अपनी सेवाऐं देते हुए और पहलवानी की अलख जगाते हुए समयानुसार वे अपना भरापुरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गये पर हम आज भी उनके योगदान को याद कर नतमस्तक हो उन्हें भावभिनी श्रद्धांजली देते हैं ।

अफ़ज़ल खां अफ़ज़ल
वरिष्ठ साहित्यकार
जलचक्की, कांकरोली
मो. 98284-75288

राजसमंद जिले की ताजा खबरों के लिए देखिए
जयवर्द्धन NEWS
YouTube Channel Jaivardhan News

व्यंग्य

मतदाताओं की दीवाली

किसी भी मजबूत लोकतंत्र की प्रमुख पहचान समय से होने वाले चुनाव होते हैं। चुनाव नेता रूपी हाथी पर लगाने का अंकुश है, जिसके भय से नेता निरंकुश नहीं होते हैं। हिटलरशाही शासन सबसे पहले चुनाव को खत्म करता है, क्योंकि चुनाव से शासन के अत्याचार खत्म किए जा सकते हैं।

लोकतांत्रिक सागर में नाव को चुनने को चुनाव कहते हैं। नाव अर्थात् नेता और चुनने वाला यानी वोटर, चुनने की प्रक्रिया यानी चुनाव। जैसे जब हम नौकाविहार के लिए किनारे पर खड़े होते हैं, तो तरह-तरह की नौकाएं हमारी ओर दौड़ने लगती हैं और अपनी-अपनी खूबियां गिनाने लगती हैं। अब यह हमारे विवेक पर निर्भर करता है कि हम किसको चुनते हैं? सजी-धजी फुस्स नौका या फिर सजावट विहीन मजबूत नौका। प्रलोभन तो सभी देते हैं तथा सपने ऐसे दिखाते हैं कि गंजे भी कंघों के सेट खरीदने में जुट जाते हैं। पोपले भी अखरोट के बोरे खरीदने लगते हैं कि दांतों के सेट तो अब बंटने वाले हैं।

चुनाव को अगर चरणलोटन प्रक्रिया कहा जाए तो ज्यादा ठीक होगा। चुनाव के आते खद्दरधारी परजीवी दिखने लगते हैं जिस तरह बरसात के समय परवाने शमां के इर्द-गिर्द चक्कर काटने लगते हैं वैसे ही हर पांच साल बाद नेता वोटरों को उनकी दिव्यता का एहसास दिलाने लगते हैं। चुनाव से पहले नेताओं की चरणवंदना वोटर करते हैं लेकिन चुनावों के आते ही यह प्रक्रिया उलट जाती है और नेताओं की चरणलोटन क्रिया देखते ही बनती है। ऐसा प्रतीत होने लगता है कि वोटरों की आत्मा के परमात्मा नेताओं को साक्षात् नजर आने लगे हैं और उनकी संतुष्टि के तन-मन-धन अर्पित करना चाह रहे हैं, उनके सारे दु:ख अपने मान लेते हैं और मिटाने का स्वांग करते हैं।

चुनाव के समय वोटर देवता की कोटि में आ जाते हैं और उनकी भृगुटी विलास का अनुसरण नेता करते हैं। जो वोटर सच में अपने को देव मान लेते हैं वो अपने आराधक से सोमरस तथा आमिष भोज्य पदार्थों की मन में कल्पना करने लगते हैं और वो कल्पनापाश से बाहर भी निकल नहीं पाते कि सामने हाला, प्याला और मसाला रख दिया जाता है। चुनाव भर वोटरों के मुख विभिन्न प्रकार के गुटखों से परिपूर्ण रहते हैं। ऐसे खान-पान वालों को लगता है कि बहारे-चुनाव कभी जाए ही नहीं क्योंकि मुफ्तखोरी किसे अखरती है?

चुनाव बाँटने का दौर होता है। नेता शब्द के प्रत्येक अक्षर का अगर अलग-अलग मतलब निकाला जाए तो नहीं एकता-ताकत आपस में रहने पाए निकलेगा क्योंकि इससे सब समाज की मुख्य समस्याओं की ओर ध्यान देने लगेंगे जिससे जातिए धर्म, समुदाय जैसे गैरजरूरी मुद्दे हाशिए में चले जाएंगे और शिक्षा, सेहत, बेरोजगारी जैसे हाशिए वाले मुद्दे केंद्र में आ जाएंगे जिससे कलयुगी शकुनियों को अपने दांव चलने में परेशानी होगी। जितने भी चुनाव होते हैं उसमें अगर जाति, धर्म, सम्प्रदाय को निकाल दिया जाए तो वे सब मेरुदंड हीन मनुष्य की भांति हो जाएंगे। विकास की बात हर नेता करता है परंतु यह स्पष्ट कभी नहीं करता कि जीतने के बाद मैं अपना विकास तो कर लूंगा पर आप लोग अपने-अपने विकास की कल्पना करके खुश होते रहना।

भारतीय वोटर क्षणिक शानो-शौक की चकाचौंध में ऐसे चुंधिया जाते हैं कि उनको न तो अतीत के कष्ट याद रहते हैं और न ही भविष्य की कालिमा दिखाई देती है। वादों की रसमलाई देखकर अपने हाथों के चनों को भी फेंककर नाचने लगते हैं।

पीयूष कुमार द्विवेदी 'पूतू'
असिस्टेंट प्रोफेसर हिन्दी विभाग
जगद्गुरु रामभद्राचार्य विकलांग विश्वविद्यालय
चित्रकूट (उत्तरप्रदेश), ग्राम टीसी, हसवा
जिला फतेपुर, उत्तरप्रदेश, 8604112963

जयवर्द्धन NEWS
राजसमंद जिले की ताजा खबरों के लिए देखिए
YouTube Channel Jaivardhan News

TVS
Star Wali Baat
star city+
happy Diwali
FESTIVAL OF LIGHTS
इस त्यौहार
सभी के लिए कुछ खास
ET Fi
BS-VI
GANESH TVS
Address:- Nathdawara Road, TVS Choraha, Kankroli, Rajsamand, Rajasthan, India
Contact:- 9413319002. 9602233666

राजस्थान पत्रिका,
दैनिक भास्कर के साथ सभी
अखबारों में विज्ञापन
प्रकाशित कराने का एकमात्र स्थान
शक्ति
एडवरटाइजिंग
सभी
प्रकार की
खेलकूद
सामग्री
मिलने का
राजसमंद
में एकमात्र स्थान
शक्ति स्पोर्ट्स
शास्त्री मार्केट, कांकरोली (राजसमंद)
94142-39648, 94144-73275

समस्त क्षेत्रवासियों को
दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं
केसर खटीक - उपसरपंच
एवं समस्त वार्डपंच व ग्रामवासी
अपील :- राजस्थान सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा जारी
कोरोना गाइडलाइन का पालन अवश्य करें। वैक्सीन लगवाएं, मास्क का प्रयोग करें।
स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) :
चलो चलें एक काम करे-गंदगीमुक्त हर गांव करें।
बीमारी फैलाये कचरा और गंदा पानी, प्रबंधन से सुखी होगी हमारी जिन्दगानी
श्रीमती देऊबाई चौधरी
सरपंच
कालूराम रेगर
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत कुरज, पंचायत समिति रेलमगरा, जिला-राजसमंद

समस्त जिलेवासियों को दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. पुरोहित हॉस्पीटल
अत्याधुनिक शल्य चिकित्सा सेवाएं
● नवीनतम सुविधाओं से युक्त पुरूषो, महिलाओं व शिशुओं के सभी प्रकार के सामन्य एवं जटिल ऑपरेशन की सुविधा।
● मूत्र रोगों का दूरबीन द्वारा ऑपरेशन ● प्रोस्टेट, गुर्दे व मूत्र नली की पथरी का दूरबीन द्वारा ऑपरेशन।
● अपेंडिस्क गाल ब्लडर आदि के ऑपरेशन। ● दूरबीन द्वारा लेप्रोस्कोपिक सर्जरी।
● एंडोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, ईसीजी, सोनोग्राफी व कलर डोप्लर जांच सुविधा उपलब्ध।
सम्पर्क : 10-नाथुवास चौराहा, एन.एच. 8 नाथद्वारा फोन 02953, 232508

समस्त जिलेवासियों को
दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

पुष्कर श्रीमाली

जिलाध्यक्ष : कांग्रेस सेवा दल राजसमंद
पार्षद–नगर परिषद राजसमंद

फर्म : गंगोत्री मार्बल, नाथद्वारा रोड़ राजसमदं 9414173884

दीपावली के पर्व की हार्दिक बधाई एवं मंगल शुभकामनाएं

Himanshu Singh Chandrawat
M. 94141 74657
02952-220135 Off.

NEELKANTH TRAVELS

Contact For 3X2 & 2X2
A.C. & Non A.C. Luxury Buses

Bus Stand, Kankroli-313324 (Raj.) e-mail : heman9999@rediffmail.com

समस्त जिलेवासियों को दीपोत्सव
की हार्दिक शुभकामनाएं
HAPPY Diwali
तनसुख बोहरा
नरेन्द्र बोहरा
वेलकम मार्मो प्रा.लि.-केलवा

दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं
बाबूलाल राठौड़
समाज सेवी, चारभुजा गढ़बोर
HAPPY Diwali

समस्त जिलेवासियों को दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं
द मेवाड़ स्पोर्ट्स क्लब
कैलाश चौधरी
अध्यक्ष
रघुराजसिंह सिसोदिया
उपाध्यक्ष
अजय कर्णावट
सचिव
सतीश तापड़िया
कोषाध्यक्ष
जेके स्टेडियम के पास, आरके जिला चिकित्सालय के पीछे राजसमंद, फोन : 02952-224549

vedanta
transforming elements
HINDUSTAN ZINC
Zinc & Silver of India
इस दिवाली मिलकर प्रगति की रोशनी जगमगाएं,
त्यौहार की ख़रीदारी अपने लोकल बाज़ार से करें।
हिन्दुस्तान ज़िंक की ओर से
समृद्ध और सुरक्षित दिवाली की शुभकामनाएँ
Hindustan Zinc Limited
Yashad Bhawan | Near Swaroop Sagar | Udaipur - 313004 | Rajasthan | India
P : +91 294-6604000-02 | www.hzlindia.com | CIN - L27204RJ1906PLC001208
www.facebook.com/HindustanZinc | www.twitter.com/CEO_HZL
www.twitter.com/Hindustan_Zinc | www.linkedin.com/companyhindustanzinc

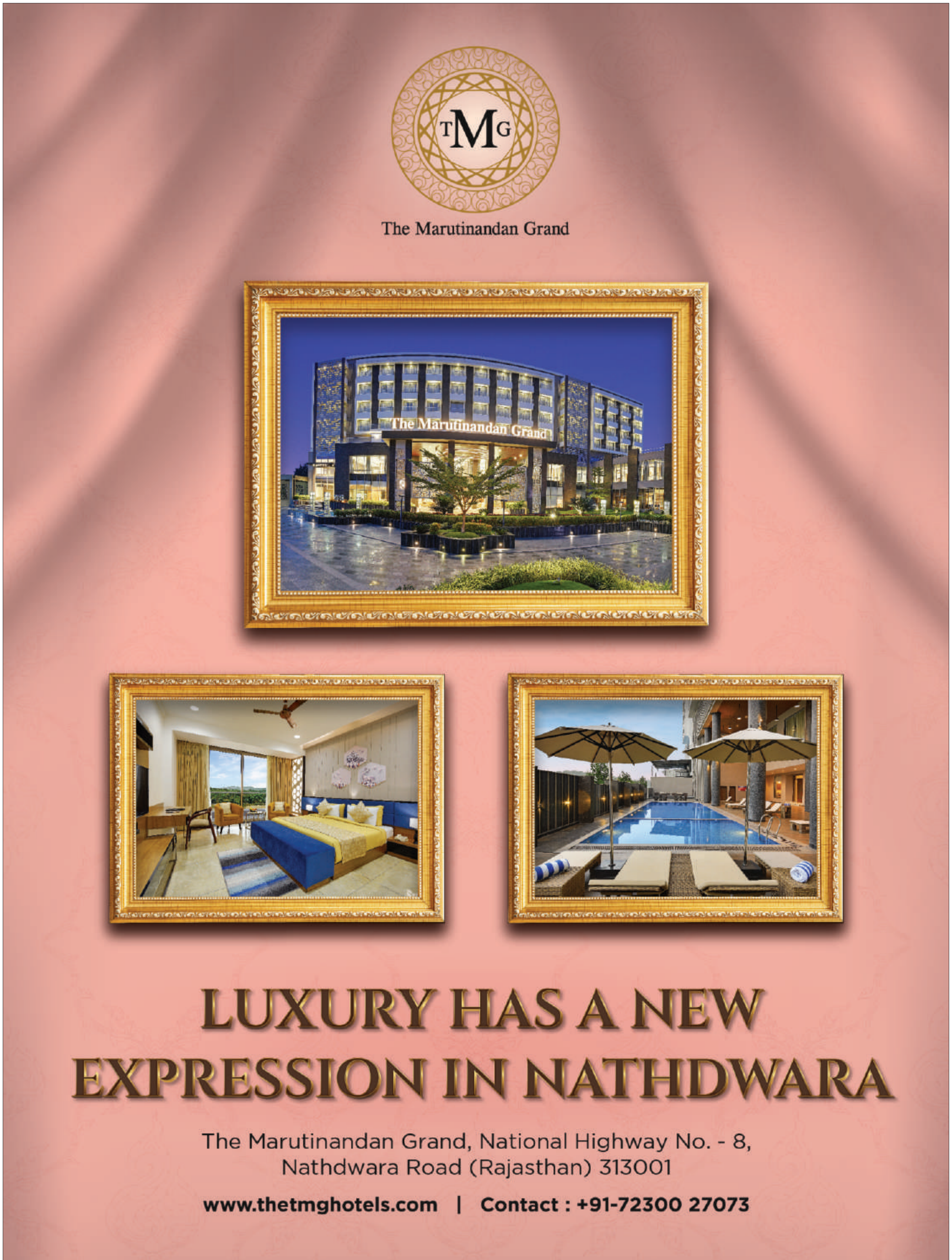
TMG
The Marutinandan Grand
The Marutinandan Grand
LUXURY HAS A NEW
EXPRESSION IN NATHDWARA
The Marutinandan Grand, National Highway No. - 8,
Nathdwara Road (Rajasthan) 313001
www.thetmghotels.com | Contact : +91-72300 27073

जयवर्द्धन NEWS

जयवर्द्धन

कार्यालय पता : शक्ति स्पोर्ट्स, शास्त्री मार्केट, जेके मोड़ के पास
कांकरोली, जिला राजसमंद, 94142-39648, 96729-80901

To

YouTube jaivardhannews jaivardhannews.com liverajsamand जयवर्द्धन